E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 130 | प्रयागराज, गुरूवार 06 अगस्त, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान जंग में तेल कंपनियों ने अरबों डॉलर कमाए,6 बड़ी कंपनियों का अभी तक का रिकॉर्ड मुनाफा, दुनिया महंगाई से जूझी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। ईरान और अमेरिका के बीच

जारी तनाव का सबसे बड़ा असर तेल बाजार पर पड़ा है। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर खतरा बढ़ते ही कच्चे तेल की कीमतें चढ़ गईं। इसका असर पूरी दुनिया में देखने को मिला। पेट्रोल-डीजल महंगा हुआ, माल ढुलाई का खर्च बढ़ा और कई देशों में रोजमर्रा की चीजों की कीमतें भी बढ़ गईं।लेकिन जहां आम लोग महंगाई से परेशान रहे, वहीं दुनिया की बड़ी तेल कंपनियों के लिए यह दौर कमाई का मौका बन गया। दूसरी तिमाही के नतीजों में छह बड़ी कंपनियों ने कई साल का सबसे ज्यादा मुनाफा दर्ज किया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि युद्ध के दौरान जब भी तेल की सप्लाई पर खतरा बढ़ता है, बाजार में कीमतें तेजी से चढ़ जाती हैं। तेल निकालने और बेचने वाली कंपनियों को उसी का सीधा फायदा मिलता है। इस बार भी यही हुआ। पिछले 24 घंटे के 4 बड़े अपडेट्स-1. यमन में भारतीय जहाज पर हमला- यमन के पास लाल सागर में भारतीय झंडे वाले कारोबारी जहाज पर हमला हुआ है। जहाज 'एमएसवी फैजे नूर-ए-औलिया' हमले में डूब गया। सवार सभी 13 भारतीय नागरिकों को बचा लिया गया। 2. ईरान में विदेश मंत्री अब्बास अराघची को हटाने की तैयारी- ईरान के कुछ सांसद विदेश मंत्री अब्बास अराघची के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका आरोप है कि अमेरिका से बातचीत और संभावित समझौते ने देश के हितों को नुकसान पहुंचाया है। 3. राष्ट्रपति पजशकियान की ताकत घटी- इजराइली चैनल 14 की रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा, विदेश नीति और परमाणु कार्यक्रम जैसे अहम मामलों में अब राष्ट्रपति की भूमिका सीमित कर दी गई है। इन फैसलों में आईआरजीसी कमांडर अहमद वाहिदी की राय अंतिम मानी जाएगी। 4. अमेरिका-ईरान समझौते की उम्मीद से कच्चे तेल के दाम गिरे- होर्मुज स्ट्रेट पर समझौते की उम्मीद के बाद अमेरिकी डब्लूटीआई क्रूड करीब 5फीसदी गिरकर 76.32 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि ब्रेंट क्रूड भी 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे पहुंच गया। रिपोर्ट- दुबई के जेबेल अली में 20 मिनट में 7 धमाके-संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में जेबेल अली औद्योगिक क्षेत्र में बुधवार तड़के कई धमाके हुए, जिसके बाद इलाके में भीषण आग लग गई।

ईरानी सरकारी चैनल प्रेस टीवी ने अरबी मीडिया के हवाले से दावा किया कि करीब 20 मिनट के भीतर सात धमाके सुने गए। रिपोर्ट के मुताबिक, जेबेल अली पोर्ट के आसपास से घना धुआं उठता देखा गया। हालांकि, अब तक किसी संगठन या समूह ने घटना की जिम्मेदारी नहीं ली है और यूएई प्रशासन ने भी धमाकों की वजह पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

शांत पीओके पाकिस्तान के लिए कैसे बना परेशानी का सबब,12 रिजर्व सीटें क्यों खत्म कराना चाहते हैं प्रदर्शनकारी

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान और भारत के बीच कश्मीर को

लेकर कई बार युद्ध हो चुका है। पाकिस्तान ने हमेशा भारत के साथ कश्मीर विवाद को सबसे बड़ा मुद्दा माना। इस वजह से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के लोगों की अपनी परेशानियों पर कम ध्यान दिया गया। अब वहां हालात ऐसे हैं कि सरकार के लिए उनकी आवाज दबाना मुश्किल हो रहा है। महंगाई के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन अब एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदल चुका है। इसे कई वर्षों में पाकिस्तान सरकार के सामने पीओके से उठी सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। पीओके में आंदोलन का नेतृत्व जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जे.ए.ए.सी) कर रही है। इसका गठन 2023 में हुआ था। इसमें व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शामिल हैं। शुरुआत में संगठन ने महंगी बिजली और आटे की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। 2024 और 2025 में हुए प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान सरकार को झुकना पड़ा। सरकार ने बिजली की दरें कम

मांगें क्यों नहीं मान रही सरकार

कीं और आटे पर सब्सिडी दी। इसके बाद पीओके में आटा पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों की तुलना में काफी सस्ता मिलने लगा। 12 रिजर्व सीटें रद्द करने की मांग पर आंदोलन-आंदोलनों के सफल होने से (जे.ए.ए.सी) का जनाधार बढ़ा।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

शेख हसीना 2 साल बाद भी नहीं आईं सामने,वर्चुअल मीटिंग में कैमरा ऑफ किया

नयी दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने ऐलान किया है कि वे 5 अगस्त को नई दिल्ली स्थित 'फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया

(एफ.सीसी.एस.ए)' के कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करेंगी। बांग्लादेश ने भारत से उनके भाषण पर रोक लगाने की मांग की है। भारत सरकार ने कहा है कि शेख हसीना के ऑनलाइन संबोधन से हमारा कोई संबंध नहीं है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद सार्वजनिक तौर पर लोगों को संबोधित किया। हालांकि, यह संबोधन वर्चुअल था और पूरे भाषण के दौरान उनका कैमरा बंद रहा। इससे पहले उनके सामने आकर बोलने की अटकलें लगाई जा रही थीं। हसीना भाषण देने के दौरान परिवार को याद कर भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, 'मुझे गहरे दुख के साथ अपने परिवार के उन सदस्यों की याद आती है जिन्हें मैंने 15 अगस्त 1975 को खो दिया था... आज मेरे भाई का जन्मदिन भी है, जो मुझसे 2 साल छोटा था... वह एक महान स्वतंत्रता सेनानी और युवा नेता था।' हसीना ने यह भी कहा कि वह इस कार्यक्रम में सिर्फ पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर नहीं बल्कि राष्ट्रपिता की बेटी के तौर पर भी बोल रही हैं। उन्हें देश से दूर जाने पर मजबूर किया गया, लेकिन वह कभी भी अपने लोगों से अलग नहीं हुईं। हसीना का दावा- पुलिसकर्मियों को जिंदा जलाया गया-शेख हसीना ने दावा किया कि जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान 450 से ज्यादा पुलिस थानों में आग लगा दी गई। सरकारी इमारतों पर हमले हुए, कई पुलिसकर्मी मारे गए और कुछ को जिंदा जला दिया गया। हसीना ने सवाल उठाया, 'क्या ऐसे हालात में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं थी?' उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसी कार्रवाई को उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया। हसीना के बेटे बोले- देश में राजनीतिक हत्या को कानूनी मान्यता मिली-शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि अगस्त 2024 से हजारों लोग जेल में हैं।

ईरान ने गल्फ देशों को हमले की धमकी दीःकहा- अमेरिका ने अटैक किया तो पूरे इलाके के एनर्जी ठिकानों को तबाह करेंगे

वॉशिंगटन डीसी/तेहरान/तेल अवीव। ईरान ने गल्फ देशों को चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने उसके ऊर्जा ढांचे पर फिर

हमला किया, तो वह पूरे इलाके के तेल ठिकानों, रिफाइनरियों, बिजली ग्रिड और दूसरे अहम इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाएगा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने सऊदी अरब, कतर, तुर्किये और पाकिस्तान के शीर्ष नेताओं से बात कर अमेरिका पर दबाव बनाने की अपील की, ताकि नया हमला टाला जा सके। ईरान का कहना है कि वह अभी भी कूटनीतिक समाधान चाहता है, लेकिन अगर हमला हुआ तो जवाब पहले से ज्यादा बड़ा होगा। इसके बाद सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात कर सैन्य कार्रवाई टालने और बातचीत जारी रखने की अपील की। पिछले 24 घंटे के 5 बड़े अपडेट्स- 1. ईरान-ओमान में होर्मुज स्ट्रेट के नए समुद्री रास्ते पर सहमतिः ईरान ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही के लिए नए समुद्री मार्ग की रूपरेखा पर ओमान के साथ सहमति बन गई है। दोनों देश जल्द इसकी संयुक्त घोषणा की तैयारी कर रहे हैं। 2. ट्रम्प बोले- 48 घंटे में होर्मुज डील पर तस्वीर साफ होगीः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान के साथ बातचीत में अच्छी प्रगति हुई है और अगले 48 घंटे में समझौते की स्थिति साफ हो जाएगी। 3. ईरान बोला- ओमान से समझौते के बाद भी होर्मुज पूरी तरह सुरक्षित नहींः ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि ओमान के साथ सहमति बनने का मतलब यह नहीं है कि होर्मुज स्ट्रेट का खतरा खत्म हो गया। अमेरिका का सैन्य दबाव जारी रहा तो सुरक्षा जोखिम भी बना रहेगा।4. रिपोर्ट- ईरान जंग में अमेरिका के 80फीसदी थाड इंटरसेप्टर खर्चः सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के साथ संघर्ष के दौरान अमेरिका अपने थाड मिसाइल डिफेंस सिस्टम के करीब 80फीसदी और पैट्रियट सिस्टम के लगभग आधे इंटरसेप्टर इस्तेमाल कर चुका है। 5. यूएन लेबनान में 8 लाख से ज्यादा विस्थापित लोग घर लौटेः संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, इजराइली हमले कम होने के बाद लेबनान में युद्ध के कारण विस्थापित हुए 8.21 लाख से ज्यादा लोग अपने घर लौट चुके हैं। हालांकि, 3.6 लाख से ज्यादा लोग। ट्रम्प बोले- मैं लोगों को मारना नहीं चाहता-ट्रम्प ने कहा है कि वे ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए सैन्य कार्रवाई के बजाय समझौते का रास्ता अपनाना पसंद करेंगे। बुधवार को लास वेगास में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा, 'मैं लोगों को मारना नहीं चाहता, इसलिए मैं समझौता करना पसंद करूंगा।' ट्रम्प ने दावा किया कि अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के सबसे बड़े हमले की तैयारी कर चुका था। उनके मुताबिक, इसी दौरान दूसरे पक्ष ने संपर्क कर कहा, 'कृपया हमला मत कीजिए, आइए बातचीत करते हैं।' हालांकि, ट्रम्प ने यह भी कहा कि बाद में उसी पक्ष ने सार्वजनिक रूप से ऐसी किसी बातचीत से इनकार कर दिया। ट्रम्प बोले- ईरान खुद बातचीत चाहता है, उनके लिए समझौता करना बेहतर-ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान खुद अमेरिका से बातचीत चाहता है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच वार्ता में अच्छी प्रगति हुई है और समझौता जल्द हो सकता है। फॉक्स न्यूज से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, 'उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि बात करते हैं। वे बातचीत करना चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि वे सार्वजनिक तौर पर इसका जिक्र नहीं करते।' ट्रम्प ने कहा कि ईरान के लिए समझौता करना ही सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वे डील करेंगे। अब देखते हैं आगे क्या होता है।'

पाकिस्तान के 4 में से 2 सूबों में बगावत, सरकार की पकड़ कमजोर-बलूचिस्तान-खैबर पख्तूनख्वा में बढ़ी चुनौती

पख्तूनख्वा। पाकिस्तान के चार सूबे हैं। इनमें से बलूचिस्तान सूबे में अलगाववादी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने विद्रोह का झंडा बुलंद किया हुआ है। खैबर पख्तूनख्वा सूबे में अफगा?न तालिबान का दबदबा है। आए दिन तालिबान के हमलों से यहां पाक

फौज के पांव उखड़ रहे हैं। बलूचिस्तान- पाक के हाथ से 70फीसदी क्षेत्र गया-बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा सूबा है। यह देश के करीब 45फीसदी हिस्से में फैला है और इसकी सीमा ईरान से लगती है। दूर-दूर तक रेगिस्तान और वीरान पहाड़ हैं। लेकिन इन दिनों इस वीराने में सबसे ज्यादा गूंज गोलियों की सुनाई देती है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाके अलग देश की मांग को लेकर लड़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि बलूच लड़ाकों और पश्तून (पठान) विद्रोहियों का सूबे के करीब 70फीसदी हिस्से पर कब्जा है। अब सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि पाकिस्तानी सेना कितने विद्रोहियों को मार रही है या पकड़ रही है। असली सवाल यह है कि क्या सरकार यहां पुलिस थाने चला पा रही है? क्या हाईवे सुरक्षित हैं? क्या बाजार खुल रहे हैं? और क्या लोग बिना डर के एक शहर से दूसरे शहर जा सकते हैं? बलूचिस्तान के कई इलाकों में हथियारबंद लड़ाके बेखौफ होकर क्वेटा, खुजदार और मस्तुंग जैसे शहरों में घुसते हैं। पुलिस थानों और सरकारी दफ्तरों पर हमले करते हैं। कई जगह बीएलए के लड़ाके और पश्तून गुट सड़कों पर अपने नाके लगा लेते हैं। वहां से गुजरने वाले वाहनों की तलाशी लेते हैं और खुलेआम वसूली करते हैं। यही पैसा बीएलए के फंड में जाता है। बलूचिस्तान को पाकिस्तान के खनिजों की खदान भी कहते हैं। बात शुरू की तो खुजदार शहर के युवक मोमिन का पाक सरकार पर गुस्सा फूट पड़ा। मोमिन कहते हैं यहां के ग्वादर पोर्ट पर चीन का कब्जा है। चीन ने सीपैक के नाम पर यहां लगभग 3 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया है। ग्वादर पोर्ट पर चीन की फिशिंग बोट्स का कब्जा है। स्थानीय बलूच मछुआरों को चीनी बोट्स खदेड़ देती हैं। इनकी बोट्स बड़ी और ज्यादा पावर वाली होती हैं। ज्यादातर बलूच मछुआरों के पास अब भी पालदार नौकाएं हैं। बलूच बेरोजगार हो रहे हैं। 55 साल के असलम का कहना है कि यहां के रेयर अर्थ मिनरल पर अमेरिका का कब्जा है। पाक आर्मी चीफ मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने मिनरल की नुमाइश करते हैं। इस खजाने पर केवल बलूचों का हक है।खैबर पख्तूनख्वा पाकिस्तान का फ्रंटियर यानी सरहदी इलाका है। डूरंड लाइन पाक और अफगानिस्तान को अलग करती है। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के पांच साल में खैबर के अधिकांश इलाके में इन्हीं का दबदबा है। खैबर में पाक सरकार के कानून नहीं तालिबान का शरिया चलता है। दरअसल, इस इलाके में विभाजन के समय से ही कबिलाई व्यवस्था लागू रही है। स्वात, सैदू, मिंगोरा और मर्दन में 'लोया जिरगा' के जरिए ही कानून चलता है। ये जिरगा असल में शरिया कानून को लागू करती है। अफगान तालिबान इसका संरक्षक है। अफगान तालिबान तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान संगठन को अपने ठिकानों में पनाह देता है। इमरान खान की सरकार ने 2021 में टीटीपी के साथ सुलह की कोशिश की, लेकिन इमरान की गद्दी जाते ही टीटीपी ने खैबर में अपने दबदबे को और बढ़ा लिया है। खैबर के वजीरिस्तान में पाकिस्तानी सेना कई सैन्य ऑपरेशन कर चुकी है, लेकिन यहां अब टीटीपी काबिज है। आए दिन टीटीपी के हमलों के कारण स्कूल और कॉलेज बंद रहते हैं। पंजाब और सिंध के मूल निवासी कर्मचारी खैबर में अपनी पोस्टिंग नहीं चाहते हैं। खौफ... हमलों से पाक की 50 फौजी चौकियां खाली-खैबर पख्तूनख्वा में टीटीपी के आए दिन होने वाले हमलों से पाक सेना में खौफ है। इस साल टीटीपी फौज पर 145 से ज्यादा हमले कर चुकी है, इनमें 48 सैनिक मारे गए। खैबर में डूरंड लाइन पर अभी पाक सेना की 50 फौजी चौकियां खाली हैं।

भारतीय जहाज पर यमन के पास हूती विद्रोहियों का हमला,विस्फोटकों से लदी सुसाइड बोट टकराई, जहाज डूबा,सभी 13 भारतीय सुरक्षित

यमन। यमन तट के पास लाल सागर में भारतीय झंडे वाले कारोबारी जहाज पर हमला हुआ है। यह हमला ईरान से जुड़े हूती विद्रोहियों ने किया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, विस्फोटकों से लदी एक सुसाइड बोट जहाज से टकरा गई। इसके बाद जहाज डूब गया। हालांकि, उसमें सवार सभी 13 भारतीय नागरिकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने जहाज 'एमएसवी

फैजे नूर-ए-औलिया' पर हुए हमले की निंदा की है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सऊदी अरब की राजधानी रियाद में भारतीय दूतावास हालात पर लगातार नजर रखे हुए है और क्रू की सुरक्षा के लिए यमन के अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहा है। 1. अमेरिका-ईरान वार्ता की तारीख और जगह अब तक तय नहींः अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित बातचीत को लेकर अभी तक तारीख और स्थान तय नहीं हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान और कतर संभावित मेजबान देशों के तौर पर चर्चा में हैं और दोनों देश मध्यस्थता की कोशिश कर रहे हैं। 2. ईरान की नई रणनीति- जंग नहीं, अमेरिका पर दबाव बढ़ानाः रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान अब सीधी सैन्य जीत के बजाय समुद्री व्यापार, तेल आपूर्ति और अहम शिपिंग रूट्स पर दबाव बनाकर अमेरिका और उसके सहयोगियों की लागत बढ़ाने की रणनीति अपना रहा है। 3. ईरान का दावा- होर्मुज के ऊपर उड़ रहा रीपर ड्रोन मार गिरायाः आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने होर्मुज स्ट्रेट के ऊपर उड़ रहे एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को एयर डिफेंस सिस्टम से मार गिराया। हालांकि, यह नहीं बताया गया कि ड्रोन किस देश का था। 4. अमेरिका ईरान पर दबाव बढ़ाने के नए विकल्प तलाश रहाः सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने अपने सैन्य विश्लेषकों से ईरान पर दबाव बढ़ाने और उसे सजा देने के लिए नए सुझाव मांगे हैं। अधिकारियों ने इसे असामान्य कदम बताया है। 5. हूती धमकी के बाद 6 सऊदी सुपरटैंकरों ने रास्ता बदलाः यमन के हूती विद्रोहियों की धमकी के बाद छह सऊदी सुपरटैंकरों ने लाल सागर और बाब-अल-मंदेब के बजाय अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से से लंबा समुद्री रास्ता अपनाया। इससे क्षेत्र में शिपिंग सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई। ईरान और ओमान होर्मुज खोलने के समझौते पर आगे बढ़े-ईरान और खाड़ी अरब देश ओमान ने होर्मुज को फिर से खोलने के समझौते की दिशा में प्रगति की है। यह संभावित बड़ी कामयाबी हो सकती है जो मिडिल ईस्ट में युद्ध को कम करने में मदद कर सकती है। दो क्षेत्रीय अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि बन रहे समझौते के तहत, जहाज ईरान के नियंत्रण वाले रास्ते से फारस की खाड़ी में प्रवेश करेंगे और ओमान के नियंत्रण वाले रास्ते से बाहर निकलेंगे। सुरक्षा प्रदान करने और समुद्री पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए सर्विस फीस ली जाएगी। बातचीत अभी भी चल रही है और अंतिम समझौता अलग रूप ले सकता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की सुरक्षा में चूक, हेलिकॉप्टर के पास से उड़ी कमर्शियल फ्लाइट, जांच शुरू का

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के आधिकारिक हेलिकॉप्टर मरीन वन की उड़ान के दौरान सुरक्षा में चूक हुई है। मंगलवार को व्हाइट हाउस से उड़ान भरते समय मरीन वन और एक यात्री विमान तय सुरक्षा दूरी से ज्यादा करीब आ गए। इसके बाद अमेरिकी विमानन नियामक एफएए ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना मंगलवार दोपहर करीब 2:30 बजे हुई। ट्रम्प व्हाइट हाउस से जॉइंट बेस एंड्रूज जा रहे थे। उसी समय एनवॉय एयर का एक यात्री विमान भी रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भर गया। एफएए की शुरुआती जांच में पता चला कि दोनों विमान एक-दूसरे के सबसे करीब आने पर सिर्फ 1.3 किलोमीटर की दूरी पर थे। उनकी ऊंचाई में भी महज 700 फीट का अंतर रह गया था। अधिकारियों का कहना है कि दोनों विमान टक्कर की दिशा में नहीं थे और राष्ट्रपति की सुरक्षा को कोई खतरा नहीं हुआ। सुरक्षा में चूक कैसे हुई? वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, मरीन वन की उड़ान के दौरान रीगन वॉशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट से कमर्शियल उड़ानों को कुछ देर के लिए रोक दिया जाता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। एयर ट्रैफिक कंट्रोल समय पर उड़ानें नहीं रोक सका। इसी वजह से यात्री विमान ने भी टेकऑफ कर लिया-एफएए अब यह पता लगा रहा है कि सुरक्षा प्रक्रिया का पालन क्यों नहीं हुआ और एयर ट्रैफिक कंट्रोल से चूक कैसे हुई। एटीसी को तीन बार सूचना दी, जवाब नहीं मिला-द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, उड़ान से पहले मरीन वन के क्रू ने कंट्रोल टावर को तीन बार बताया कि हेलिकॉप्टर तीन मिनट में उड़ान भरेगा। लेकिन रेडियो पर संदेश साफ नहीं सुनाई दिया। कंट्रोलर की ओर से भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। इसके बाद मरीन वन ने तय कार्यक्रम के मुताबिक उड़ान भर ली। कुछ देर बाद कंट्रोलर ने हेलिकॉप्टर को पास में उड़ान भर चुके यात्री विमान की जानकारी दी।

लोन सस्ते नहीं, ईएमआई भी नहीं घटेगी, आरबीआई गवर्नर बोले- दुनिया में उथल-पुथल से महंगाई बढ़ा

नयी दिल्ली। अगर आप घर, गाड़ी या पर्सनल जरूरत के लिए सस्ते लोन का इंतजार कर रहे हैं, तो फिलहाल ये उम्मीद पूरी नहीं हो सकेगी। ऐसा इसलिए, क्योंकि आरबीआई ने ब्याज दर को 5.25फीसदी पर बरकरार रखा है। इसके मायने हैं कि नए लोन की तरह मौजूदा लोन और ईएमआई भी सस्ती नहीं होंगी।आरबीआई की मॉनिटरी पॉलिसी

कमेटी, यानी एमपीसी की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज 5 अगस्त को बताया कि दुनियाभर में जारी उठापटक की वजह से महंगाई बढ़ी है। इसके चलते फिलहाल ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। आरबीआई का यह फैसला अपनी बचत के पैसे बैंक में रखने वालों के लिए राहतभरा है, क्योंकि एफडी पर मिलने वाला ब्याज फिलहाल कम नहीं होगा। हालांकि, सभी बैंक आरबीआई के बताए मुताबिक ब्याज दरें एक जैसी नहीं रखते, वे अपनी लागत और बाजार को देखकर इसमें थोड़ा बदलाव कर सकते हैं। 2026 में तीन बार की बैठकों में ब्याज दर नहीं बदली-2026 में अब तक आरबीआई की तीन बैठकें हो चुकी हैं। अप्रैल, जून और अगस्त में हुई तीनों बैठकों में रेपो रेट 5.25फीसदी पर ही रखा गया। यानी लगातार तीसरी बार ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले 2025 में आरबीआई ने लोगों को राहत देते हुए ब्याज दर तीन बार घटाई थी। अप्रैल में रेपो रेट 6.00फीसदी किया गया, जून में 5.50फीसदी और दिसंबर में 5.25फीसदी पर लाया गया। तब से लेकर अब तक आरबीआई ने महंगाई और दुनिया के हालात को देखते हुए ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया है। एक्सपर्ट बोले- दिसंबर में हो सकती है बढ़ोतरी-इक्विरस सिक्योरिटीज के रिसर्च हेड मौलिक पटेल ने कहा कि दुनिया भर में ब्याज दरें बढ़ रही हैं, इसलिए आरबीआई भी आगे कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लेगा। उम्मीद है कि दिसंबर में जब आरबीआई अपनी पॉलिसी पर दोबारा विचार करेगा, तो वो ब्याज दर में थोड़ी बढ़ोतरी (0.25फीसदी) कर सकता है।

औद्योगिक क्षेत्र थाना पहुंची यू.पी.एस.आई.ए की राष्ट्रीय टीम, पुलिस अधिकारियों का किया सम्मान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश स्टेट (लाइटिंग) को लेकर विस्तृत चर्चा की।बैठक में इस बात पर

इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (यू.पी.एस.आई.ए) की राष्ट्रीय टीम ने औद्योगिक क्षेत्र थाना पहुंचकर थाना प्रभारी कमलेश पटेल, चौकी प्रभारी नीतीश सिंह एवं नारी सुरक्षा प्रभारी कुसुम के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर यू.पी.एस.आई.ए की ओर से थाना प्रभारी कमलेश पटेल को स्मृति चिन्ह (मोमेंटो) एवं चौकी प्रभारी नीतीश सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। टीम ने पुलिस अधिकारियों के साथ औद्योगिक क्षेत्र में नारी सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए सीसीटीवी कैमरों एवं पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था जोर दिया गया कि उद्योगों के आसपास बेहतर सुरक्षा व्यवस्था होने से औद्योगिक इकाइयाँ सुचारु रूप से संचालित होंगी, श्रमिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा तथा अपराध की रोकथाम के साथ पुलिस पर भी अनावश्यक कार्यभार कम होगा। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश स्टेट इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष अरविंद राय, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष के. खान, अनुज तिवारी, मीडिया अधिकारी डॉ. पुनीत अरोड़ा सहित अनेक उद्योगपति एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर ने छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र की 94वीं जयंती मनाई

मासिक बैठक में बूथ संगठन मजबूत करने का लिया संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। समाजवादी पार्टी नोएडा महानगर संगठन द्वारा सेक्टर-33 स्थित महाराजा अग्रसेन चलकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और सम्मान पहुंचाने का कार्य करना होगा।' पूर्व लोकसभा प्रभारी एवं पूर्व जिला लगातार संघर्ष करेगी और जनहित की आवाज़ बुलंद करती रहेगी।' कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. आश्रय गुप्ता, वीर सिंह

भवन में समाजवादी आंदोलन के प्रख्यात चिंतक, दार्शनिक, पूर्व केंद्रीय मंत्री, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सांसद 'छोटे लोहिया' स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र जी की 94वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मासिक संगठनात्मक बैठक का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने की, जबकि संचालन महानगर महासचिव विकास यादव ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को नमन करते हुए की गई। उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके समाजवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता ने अपने संबोधन में कहा कि 'स्वर्गीय जनेश्वर मिश्र जी ने अपना संपूर्ण जीवन समाजवाद, सामाजिक न्याय, गरीबों, किसानों, युवाओं और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित किया। उनके आदर्श आज भी समाजवादी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हमें उनके बताए मार्ग पर अध्यक्ष वीर सिंह यादव ने कहा कि 'जनेश्वर मिश्र जी का सादगीपूर्ण जीवन, संघर्षशील व्यक्तित्व और समाजवादी विचारधारा आज की राजनीति के लिए आदर्श हैं। हमें उनके सिद्धांतों को संगठन और समाज दोनों में मजबूत करना होगा।' मासिक बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सचिव भरत प्रधान एवं सुनील चौधरी ने संयुक्त रूप से कहा कि 'संगठन की मजबूती बूथ स्तर से शुरू होती है। सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपने-अपने बूथों को मजबूत करें तथा जिन बूथों पर अभी तक बूथ अध्यक्षों का गठन नहीं हुआ है, वहां हर हाल में एक सप्ताह के भीतर बूथ अध्यक्षों का गठन सुनिश्चित किया जाए। आने वाले सभी चुनावों की तैयारी अभी से पूरी मजबूती के साथ की जाएगी।' पूर्व महानगर अध्यक्ष रेशपाल अवाना एवं सुबे यादव ने संयुक्त रूप से कहा कि 'समाजवादी पार्टी नोएडा की जनता से जुड़े हर मुद्दे को मजबूती से उठाती रहेगी। किसानों की समस्याएं, फ्लैट खरीदारों की परेशानियां, गांवों की टूटी सड़कें, नाला, सीवर, पेयजल और अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर पार्टी यादव, भरत प्रधान, सुनील चौधरी, रेशपाल अवाना, विकास यादव, बबलू चौहान, सुबे यादव, गौरव कुमार यादव, राघवेंद्र यादव, ए.के. सिंह सिंटू, मोहम्मद नौशाद, ओमपाल राणा, भीष्म यादव, महकार तंवर, राघवेंद्र दुबे, बब्बू यादव, रामवीर यादव, कालू यादव, मनोज गोयल, मुकेश यादव, बाबूलाल बंसल, विवेक यादव, अंकुर पहलवान, शेखर यादव, लोकेश यादव, अमित बसोया, वीरपाल प्रधान, टीटू यादव, लखन यादव, वीरपाल अवाना, राहुल यादव, रोहित यादव, यासमीन खान, शालिनी खारी, हरपाल सिंह, बबली शर्मा, राजेश अंबावत, राम सहेली, कवित गुर्जर, रेणुका मेथी, विमला, तनवीर हुसैन, नकुल चौहान, राणा मुखर्जी, सौरभ चौहान, अरविंद चौहान, सूरज राणा, देवपाल यादव, सुखबीर, राम अवतार, रंजन, अशरफ, साहिल चौधरी, सुभाष, नीरज, शेखर, दानिश, मनोज प्रजापति, विश्वास, भगत सिंह, निरोती सिंह, अजीत विश्वास, अशरफ अंसारी, जितेंद्र यादव, देवेंद्र, विनीता यादव, पूजा पटेल, इंद्रजीत सिंह एवं सुनील कुमार सहित बड़ी संख्या में समाजवादी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विद्या वाहिनी विद्यालय में सड़क सुरक्षा एवं यातायता जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। सड़क सुरक्षा के प्रति बाहर यातायात व्यवस्था एवं विद्यार्थियों की सुरक्षा से

जागरुकता बढ़ाने एवं विद्यार्थियो में यातायात नियमों के पालन की भावना विकसित करने के उदेश्य से यातायात पुलिस कमिश्नरेट प्रयागराज द्वारा विद्यावाहिनी विद्यालय प्रयागराज में एक विशेष सड़क सुरक्षा एवं यातायात जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय की छात्रा समृद्धि यादव द्वारा विद्यालय के सम्बन्धित समस्या के सम्बन्ध में दिये गये आवेदन के क्रम में आयोजन किया गया। जिसमे उक्त छात्रा द्वारा पत्र के माध्यम से अवगत कराया गया कि विद्यालय के पास स्थित बस स्टैंड के कारण अत्यधिक यातायात जाम की समस्या स्कूल खुलने व बन्द होने के समय होती है छात्रा द्वारा ये भी बताया गया कि ट्रैफिक के वजह से हम विद्यार्थी घर देर से पहुंचते है। उक्त समस्या के निस्तारण हेतु यातायात पुलिस द्वारा स्कूल खुलने और बन्द होने के समय नियमित ड्यूटी लगाते हुये रोड पर अवैध रुप से खड़े वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन की कार्यवाही की गयी, साथ ही साथ एक टास्क फोर्स का गठन किया गया जिसमें स्कूल मैनेजमेंट, आर0टी0ओ0, ए0आर0एम0 तथा यातायात पुलिस से सदस्य शामिल है। कार्यक्रम के दौरान यातायात पुलिस अधिकरियों द्वारा विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के विभिन्न पहलू यातायात संकेतों, हेलमेट,सीट बेल्ट के अनिवार्य प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन आदि के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी।यातायात पुलिस प्रयागराज जनपद के सम्मानित नागरिको से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें। सुरक्षित वाहन चलाये तथा सड़क दुर्घटना की रोकथाम मे अपना सक्रिय योगदान दे।

यूपी के सीतापुर में साइबर ठगी और एपीके फाइल से फोन हैक कर लाखों रुपये उड़ाने वाले अंतरराज्यीय शातिर साइबर अपराधी को पुलिस ने दबोचा

(आधुनिक समाचार सीतापुर) सीतापुर। 90 हजार एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में

रुपये की ऑनलाइन ठगी का सफल खुलासा, 02 लैपटॉप, 06 स्मार्टफोन, 06 फर्ज़ी/इस्तेमाली सिम, कूटरचित आधार कार्ड व पैन कार्ड बरामद- (एपीके) फाइल भेजकर पीड़ित का मोबाइल मैसेज इनबॉक्स करता था हैक, फिर यूपीआई से वॉलेट में ट्रांसफर करता था पैसे। पुलिस अधीक्षक सीतापुर महोदय, अंकुर अग्रवाल द्वारा जनपद में लूट/ चोरी /नकबजनी /धोखाधड़ी /ठगी आदि जैसी घटनाओं में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देश के क्रम में महोली पुलिस एवं साइबर क्राइम थाना की संयुक्त टीम द्वारा अपराध त्वरित कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन हैकिंग एवं साइबर फ्रॉड करने वाले एक शातिर अंतरराज्यीय अभियुक्त को जगतार ढाबा के पास, कस्बा महोली जनपद सीतापुर से गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। घटना का विवरण एवं पंजीकरणः-साइबर टीमःनिरीक्षक धीरज कुमार शुक्ल (थाना महोली, सीतापुर) उ0नि0 प्रिंस सोनकर (प्रभारी, साइबर क्राइम थाना, सीतापुर),आरक्षी भूरी सिंह, का0 रॉबिन वालियान (चालक),आरक्षी अमित कुमार, आरक्षी अनिल सिंह (साइबर सेल)।

आईटीआई में सत्र 2026-27 के ऑनलाइन प्रवेश आवेदन की अंतिम तिथि 07 अगस्त तक बढ़ी,आधिकारिक वेबसाइट www.scvtup.in पर 07 अगस्त रात्रि 12.00 बजे तक अभ्यर्थी कर सकेंगे ऑनलाइन पंजीकरण

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। प्रदेश के राजकीय तथा निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आई.टी.आई.) में संचालित विभिन्न व्यवसायों, टाटा टेक्नोलॉजी के अगस्त 2026 की रात्रि 12.00 बजे तक ऑनलाइन आवेदन व पंजीकरण कर सकेंगे। विशेष सचिव, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता विभाग एवं रूप में सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये (तीन सौ मात्र), अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये (दो सौ पचास

आवेदन प्रविष्टियों में त्रुटि सुधार के लिए अभ्यर्थियों को दिया जाएगा 48 घंटे (02 दिन) का अतिरिक्त समय

सहयोग से 211 राजकीय संस्थानों में संचालित 10 दीर्घकालीन व्यवसायों एवं पी0पी0पी0 मॉडल पर संचालित राजकीय संस्थानों के विभिन्न व्यवसायों में सत्र 2026-27 के प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए प्रवेश आवेदन की तिथि को विस्तारित किया गया है। अब अभ्यर्थी वेबसाइट www.scvtup.in पर पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि 04 अगस्त 2026 के स्थान पर दिनांक 07 अधिशासी निदेशक एस.सी.वी.टी. अभिषेक सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों द्वारा ऑनलाइन आवेदन में की गई प्रविष्टियों में यदि कोई त्रुटि हो जाती है, तो उसके संशोधन हेतु 02 दिन (48 घंटे) का समय प्रदान किया जाएगा। अभ्यर्थियों की सुविधा एवं सहायता हेतु विस्तृत विवरणी (दिशा-निर्देश) ई-फार्म के रूप में परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गई है। प्रवेश हेतु पंजीकरण शुल्क के मात्र) एवं समस्त महिला अभ्यर्थियों के लिए 100 रुपये (एक सौ मात्र) शुल्क निर्धारित किया गया है। आवेदन संबंधी किसी भी प्रश्न या सहायता के लिए अभ्यर्थी राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद, अलीगंज, लखनऊ के हेल्प डेस्क नंबर 0522-4150500, 7897992063, दूरभाष 0522-2336115, व्हाट्सएप नंबर 9628372929 अथवा ई-मेल help@admissionscvtup.in के माध्यम से संपर्क कर सकते हैं।

विधान परिषद में 'अपार (APAAR) आईडी' योजना पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने रखा सरकार का पक्ष

12 डिजिट की अपार आईडी से छात्र-छात्राओं के सभी शैक्षिक प्रपत्र जीवन भर रहेंगे सुरक्षित और डिजिटली वेरीफाइड

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान कि सरकार द्वारा बच्चों के शैक्षणिक रिकॉर्ड का वेरिफिकेशन संभव हो सकेगा। इससे छात्र-छात्राओं के एक

परिषद के मानसून सत्र-2026 के तृतीय दिवस सदन की कार्यवाही में सहभाग करते हुए प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बेसिक डिजिटलीकरण करने और उनके समस्त दस्तावेजों को एक ही स्थान पर सुरक्षित रखने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। इस संबंध में भारत सरकार संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण एवं प्रवेश की प्रक्रिया भी बेहद सुलभ होगी। बेसिक शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था अभिभावकों की पूर्ण

अभिभावकों की सहमति से तैयार की जा रही डिजिटल आईडी, एक संस्थान से दूसरे संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया होगी सुगम

शिक्षा विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार का पक्ष रखा तथा सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण, सुशासन एवं समग्र विकास के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। विधान परिषद में चर्चा के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया द्वारा छात्रों के हित में 'अपार (APAAR) आईडी' योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के लिए 12 डिजिट की एक यूनिक आईडी बनाई जाती है। यह डिजिटल आईडी बच्चे के लिए जीवन भर उपयोगी साबित होगी, जिससे उसके सभी शैक्षिक प्रपत्र डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे और किसी भी शैक्षणिक संस्थान में जाने पर तत्काल डिजिटल सहमति से बनाई जा रही है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा द्वारा भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपदीय अधिकारियों, स्कूल के शिक्षकों और अभिभावकों को प्रेरित एवं अनुप्राणित किया जा रहा है ताकि अधिक से अधिक बच्चों की अपार आईडी बन सके। उन्होंने इसे छात्रों के व्यापक हित में केंद्र सरकार द्वारा उठाया गया अत्यंत महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम बताया।

हेरिटेज थीम पर सजा महिला सशक्तिकरण का रंग, कोई बनी झांसी की रानी तो कोई इंदिरा गांधी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 74 क्लब और रूप मंजरी की रेनू गुप्ता ने बताया कि अल्पना अग्रवाल

ओआरबी, सुपरटेक में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के तीज के अवसर पर होममेकर्स एम्पोरियम और रूप मंजरी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को विशेष हेरिटेज वॉक का आयोजन किया गया। संस्था होममेकर्स की अनुराधा साहदेव के साथ मिलकर हेरिटेज थीम पर आधारित विशेष प्रदर्शनी और स्टॉल्स का आयोजन किया गया का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को मंच देना था। इस हेरिटेज वॉक में महिलाओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की सबसे खास बात रही थीम। कई महिलाएं ऐतिहासिक और प्रेरणादायक किरदारों के रूप में नजर आईं। कोई झांसी की रानी लक्ष्मीबाई के शौर्य को दर्शा रही थी, तो कोई पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और मुगलकालीन जोधा बाई के रूप में पहुंची। सभी ने अपने-अपने किरदारों के जरिए नारी शक्ति का संदेश दिया। अनुराधा साहदेव ने बताया कि होममेकर्स लगातार महिलाओं के लिए स्टॉल्स और एग्जीबिशन लगाकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने का काम कर रही है। रेनू गुप्ता और अल्पना अग्रवाल ने भी कहा कि ऐसे आयोजनों से महिलाओं को अपनी पहचान बनाने और एक-दूसरे से सीखने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने स्टॉल्स लगाए और खरीदारी की और महिलाओं ने धूमधाम से उत्सव मनाया इसमें तैंबोला और विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिसमें आकर्षक पुरस्कार दिए भी दिए गए।

डीएम ने की ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा,योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में ग्रामीण क्षेत्र के समग्र विकास एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा की गई। बैठक के दौरान वीबी जीरामजी, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) एवं मुख्यमंत्री आवास योजना सहित अन्य ग्रामीण विकास योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। जिलाधिकारी ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री आवास योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी अपूर्ण आवासों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कराया जाए, वीबी जीरामजी योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि ग्राम स्तर पर विकास कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए तथा प्रत्येक कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप पूर्ण कराया जाए, जिन ग्राम पंचायतों में वीबी जीरामजी योजना के अन्तर्गत कार्य नहीं प्रारम्भ हुवे है, उन समस्त ग्राम पंचायतों में एक सप्ताह में एक-एक कार्य प्रारम्भ कराया जाए। जिलाधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने विकास खण्डों में नियमित भ्रमण कर योजनाओं की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण करें तथा समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता न की जाए तथा निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।

मानसून सत्र में संसदीय लोकतंत्र की गौरवशाली परंपराओं का हुआ सम्मानःकेशव प्रसाद मौर्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता सदन श्री केशव प्रसाद मौर्य ने विधान परिषद के मानसून सत्र-2026 के समापन अवसर पर माननीय सभापति श्री कुंवर मानवेन्द्र सिंह जी को सदन की कार्यवाही का कुशलतापूर्वक, निष्पक्ष एवं गरिमापूर्ण संचालन करने के लिए हृदय से बधाई एवं धन्यवाद दिया। श्री मौर्य ने कहा कि माननीय सभापति जी ने अपने व्यापक संसदीय अनुभव एवं कुशल नेतृत्व से सदन के दोनों पक्षों के मध्य संतुलन स्थापित करते हुए सभी माननीय सदस्यों को अपने विचार रखने का समुचित अवसर प्रदान किया। उनके अनुभव एवं मार्गदर्शन का लाभ सदन को निरंतर मिलता रहा है। उप मुख्यमंत्री ने विभिन्न दलों के नेताओं एवं सदन के सभी माननीय सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अपना दल के नेता एवं माननीय मंत्री श्री आशीष पटेल जी, निषाद पार्टी के नेता श्री संजय कुमार निषाद जी, जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के नेता श्री अक्षय प्रताप सिंह जी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता श्री विच्छे लाल राम जी, राष्ट्रीय लोकदल के नेता श्री योगेश चौधरी जी, निर्दलीय समूह के नेता श्री राज बहादुर सिंह चंदेल जी, शिक्षक दल के नेता श्री ध्रुव कुमार त्रिपाठी जी सहित सभी दलों के माननीय सदस्यों ने सदन की गरिमा एवं संसदीय मर्यादाओं के अनुरूप अपने विचार रखे तथा संसदीय लोकतंत्र की गौरवशाली परंपराओं का निर्वहन किया। श्री मौर्य ने कहा कि मानसून सत्र के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 का अनुपूरक बजट सौहार्दपूर्ण एवं सकारात्मक वातावरण में पारित हुआ। इसके लिए उन्होंने सदन के सभी माननीय सदस्यों को बधाई

एवं धन्यवाद दिया। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि 5 अगस्त का दिन भारत के इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण एवं गौरवपूर्ण है। इसी दिन वर्ष 2019 में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 एवं अनुच्छेद 35-ए के प्रावधानों को समाप्त करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया गया था। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी के प्रभावी प्रयासों से जम्मू-कश्मीर आज विकास, शांति, समृद्धि और राष्ट्रीय एकात्मता की नई धारा से जुड़ रहा है। आज देश के अन्य राज्यों की भांति जम्मू-कश्मीर के घर-घर पर भी शान से तिरंगा लहरा रहा है। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री जी, केंद्रीय गृह मंत्री जी एवं केंद्र सरकार को बधाई दी। श्री मौर्य ने कहा कि 5 अगस्त 2020 को भगवान श्रीरामलला के पावन जन्मस्थान पर भव्य एवं दिव्य श्रीराम मंदिर के निर्माण हेतु भूमि पूजन एवं शिलान्यास का ऐतिहासिक कार्यक्रम संपन्न हुआ था। उन्होंने इस अवसर पर देश एवं प्रदेश के समस्त रामभक्तों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उप मुख्यमंत्री ने आगामी 15 अगस्त 2026 को मनाए जाने वाले स्वतंत्रता दिवस के पावन पर्व की अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह अवसर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले अमर सेनानियों को श्रद्धापूर्वक स्मरण करने तथा राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता के प्रति अपने संकल्प को और अधिक सुदृढ़ करने का है। उन्होंने समस्त देशवासियों एवं प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। श्री मौर्य ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ मीडिया से जुड़े प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, दूरदर्शन, आकाशवाणी के पत्रकारों, प्रेस फोटोग्राफरों एवं अन्य सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मीडिया सदन की कार्यवाही एवं जनहित से जुड़े विषयों को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने विधान परिषद के प्रमुख सचिव सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी धन्यवाद देते हुए कहा कि सभी ने सत्र के दौरान सदन के सुचारु संचालन के लिए पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता एवं समर्पण भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन किया।

न्यायालय के फैसले के बाद पहली बार नोएडा पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह, हुआ भव्य स्वागत,न्यायालय के निर्णय के बाद नोएडा पहुचे बृजभूषण शरण सिंह, समर्थकों ने फूल-मालाओं से किया स्वागत

न्यायालय के फैसले के बाद पहली सार्वजनिक मौजूदगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट द्वारा महिला पहलवानों से जुड़े मामले में अंतिम निर्णय सुनाते हुए पूर्व सांसद एवं भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को बाइज्जत बरी किए जाने के बाद बुधवार को उन्होंने पहली बार नोएडा के सेक्टर-14 क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि उनका बृजभूषण शरण सिंह के परिवार से वर्षों पुराना आत्मीय संबंध है। उन्होंने कहा, 'यह परिवार संस्कार, सादगी और सामाजिक मूल्यों के लिए जाना जाता है। परिवार की नई पीढ़ी को भी अच्छे संस्कार दिए गए हैं। हमें विश्वास था कि न्यायालय से इन्हें न्याय मिलेगा। यदि किसी ने राजनीतिक लाभ के लिए इस प्रकार के आरोपों का सहारा लिया है, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।'

कार्यक्रम में पूर्व सांसद मीना सिंह, उनकी सुपुत्री शालिनी सिंह एवं दामाद विशाल सिंह के नेतृत्व में बृजभूषण शरण सिंह का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर नोएडा के विभिन्न सामाजिक संगठनों, अनेक राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों तथा बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने उनका अभिनंदन किया। अपने संबोधन में बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि परिस्थितियां कई बार किसी व्यक्ति के बारे में गलत धारणा बना सकती हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग किसी भी निर्दोष व्यक्ति के लिए गंभीर पीड़ा का कारण बन सकता है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, कुश्ती जगत से जुड़े लोगों एवं समर्थकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। उपस्थित लोगों ने न्यायालय के निर्णय का स्वागत करते हुए बृजभूषण शरण सिंह का जोरदार अभिनंदन किया तथा न्यायपालिका पर अपना विश्वास व्यक्त किया।

संसद में संतों के अपमान पर भड़का हिंदू समाज का आक्रोश, विहिप ने चौड़ा मोड़ पर फूंका पप्पू यादव का पुतला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। संसद भवन परिसर में विपक्ष द्वारा सनातन संस्कृति, साधु-संतों एवं पुजारियों के प्रति किए गए दान चोरी कथित अपमानजनक नाट्य के विरोध में 5 अगस्त,बुधवार को विश्व हिंदू परिषद (विहिप) नोएडा महानगर द्वारा सेक्टर-22 स्थित चौड़ा मोड़ पर विशाल प्रदर्शन कर पप्पू यादव का पुतला फूंका गया। लाख प्रशासन की कोशिश की पुतला दहन न हो परंतु संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया।

प्रदर्शन के दौरान चौड़ा मोड़ 'जय श्री राम' और पप्पू यादव मुरादाबाद के नारों से गूंज उठा। इसमें सैकड़ों हिंदू जन-मानस, मातृशक्ति और साधु-संतों ने हिस्सा लेकर आंदोलन को गति दी। विहिप के अधिकारियों ने कहा कि संसद जैसी पवित्र जगह पर धार्मिक प्रतीकों व संतों का स्वांग रचकर उपहास उड़ाना सनातन आस्था पर आघात है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। धर्मविरोधी नेताओं की मानसिकता पर उठे सवाल-वीएचपी के जिला पदाधिकारियों ने कहा कि लोकतंत्र के मंदिर में भगवा वस्त्र पहनकर और धार्मिक प्रतीकों का स्वांग रचकर उपहास उड़ाना कोई सामान्य घटना नहीं है,

बल्कि यह करोड़ों सनातनियों की धार्मिक भावनाओं और संत समाज की गरिमा पर सीधा आघात है।

क्या किसी आतंकी घटना को लेके मुस्लिम वेश धर के नाट्य करने की हिम्मत है या सदैव सनातन को निशाने पर ले कर बदनाम करने का षड्यंत्र ही रचना आता है-जिला अध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी जी ने बताया कि देश के विपक्षी धर्म विरोधी समूह और हिंदू विरोधी मानसिकता वाले लोग इस देश की संस्कृति और संतो का अपमान करने का यह कृत अत्यंत ही दुखद और शर्मनाक है।

जिला मंत्री ने बताया कि विहिप ऐसे अधर्मी कृत्यों के सदैव खिलाफ है इस प्रकार से धर्म विरोध कृत्यों को हिंदू समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा यह प्रदर्शन बजरंगदल के नेतृत्व और नोएडा महानगर संयोजक विनोद चौहान के संयोजकत्व में हुआ। प्रमुख पदाधिकारियों की रही मौजूदगी-विरोध प्रदर्शन में संगठन के जिलाध्यक्ष अनिल चतुर्वेदी, मंत्री दिनेश महावर, संयोजक विनोद चौहान, सह मंत्री राजीव शर्मा जी,सह-संयोजक विनोद सिंह,नितेश शर्मा, प्रवीण जी, धर्म प्रसार प्रमुख नरेंद्र शर्मा और जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख नितिन कुमार जी मौजूद रहे।

पुतला दहन के पश्चात विहिप ने ऐसे हिंदू विरोधी कृत्यों की अवहेलना की और शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन का समापन किया। संतो की विशेष उपस्थिति-संतो की विशेष उपस्थिति के अंतर्गत नोएडा सेक्टर 147 की गौशाला के संरक्षक राममंगलदास जी महाराज अपनी समस्त शिष्य मंडली के साथ विशेष उपस्थित रहे।

भाजपा नोएडा महानगर में 'हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा' अभियान को लेकर कार्यशाला आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा आज सेक्टर-116 स्थित जिला कार्यालय पर जिला अध्यक्ष श्री महेश चौहान के नेतृत्व में 'हर घर तिरंगा-तिरंगा यात्रा' अभियान को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई।बैठक में अभियान के जिला संयोजक एवं जिला महामंत्री श्री अमित त्यागी ने अभियान की संपूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा, तिथियों एवं संगठनात्मक जिम्मेदारियों की जानकारी दी। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर चलाया जा रहा 'हर घर तिरंगा' अभियान आज जन-जन का राष्ट्रीय अभियान बन चुका है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया तथा बताया कि प्रत्येक कार्यक्रम पूरी गरिमा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के अंतर्गत 13 अगस्त को नोएडा महानगर में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें समाज के सभी वर्गों, युवाओं, महिलाओं, विद्यार्थियों, पूर्व सैनिकों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों की व्यापक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने आगे बताया कि अभियान के दौरान शहीद स्मारकों पर स्वच्छता अभियान, वीर सैनिकों एवं शहीद परिवारों का सम्मान, घर-घर तिरंगा फहराने का जनजागरण तथा विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी जैसे विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से अभियान को प्रत्येक बूथ, मंडल एवं वार्ड तक सफलतापूर्वक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यशाला में.... जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, अभियान सहसंयोजक प्रज्ञा पाठक, रामनिवास यादव, विपुल शर्मा, उपाध्यक्ष महेश अवाना, डिंपल आनंद युद्धवीर चौहान, नरेश शर्मा, राजकुमार बंसल, राजेंद्र अवाना, अशोक मिश्रा, सुचित्रा कक्कड़, बबलू यादव, पंकज झा, मीनाक्षी चौहान, मनीष वाल्मीकि, हरिओम जाटव, प्रदीप चौहान, गौतम शर्मा, नीरज चौधरी, सत्यनारायण महावर, रामकिशन यादव, दीनबंधु कुमार, मुक्तानंद प्रधान, रमेश शेखर, उमेश पहलवान, विरेंद्र गुप्ता, घनश्याम यादव, राजकुमार झा, नामिता चौबे,बलराज चौधरी, सुनीता शर्मा, दीपक शर्मा, देवेंद्र शर्मा, साहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी अपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यालय पर हर घर तिरंगा अभियान संबंधी कार्यशाला आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सीतापुर। सीतापुर। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान मनाया जाएगा इसकी कार्यशाला का आयोजन जिला मुख्यालय पर किया गया कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी नीरज सिंह जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष अजय गुप्ता और कार्यशाला की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला द्वारा की गई। अपने उद्बोधन में बोलते हुए जिला प्रभारी नीरज सिंह ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी भारत माता की परम भक्त पार्टी है और वह सभी राष्ट्रीय अवसरों पर अभियानों के तहत देश को जोड़ने का कार्य करती है इसी क्रम में हर घर तिरंगा अभियान भाजपा कार्यकर्ता समस्त देशवासियों के साथ मनाएंगे।। जन सामान्य को इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए जिससे राष्ट्र की भावना में एकलता का भाव परिलक्षित हो। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम आगामी कार्यक्रमों की जानकारी की जिसके तहत 12 से 14 अगस्त को स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्मारकों एवं महत्वपूर्ण राष्ट्रीय महत्व के स्थानो पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। दिनांक 13 अगस्त को जिला मुख्यालय पर एक बड़ी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी जिसमें समाज के लोगों की सहभागिता भी होगी 13 अगस्त से 15 अगस्त तक पार्टी कार्यकर्ताओं एवं राष्ट्रभक्तों द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों घरों एवं अन्य जगहों पर अपना तिरंगा फहराया जाएगा साथ ही साथ दिनांक 14 अगस्त को विभाजन की विभीषिका के मौके पर एक मौन जुलूस भी निकाला जाएगा।। जिला अध्यक्ष राजेश शुक्ला ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी भारत मां के सम्मान को सर्वोपरि रखती है हम भारत के सम्मान को अपना गहना मानते हैं और पार्टी द्वारा दिया गया अभियान हमारे प्यारे तिरंगा ध्वज से जुड़ा है हम लोग अपनी राष्ट्र प्रेम की भावना के साथ जुड़कर इस अभियान को सफल बनाएंगे उन्होंने आए हुए सभी आगंतुकों से इस अभियान को सफल बनाने का आवाहन किया। इस अवसर पर पटेल रेखा वर्मा, विपुल प्रताप सिंह, महेश शर्मा,विश्राम सागर राठौर, रीतेश सिंह गौर, आकाश अग्रवाल इंदु सिंह, सहित पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ता व समर्थक उपस्थित रहे।

बरी होने के बाद नोएडा में बोले बृजभूषण शरण सिंह, कहा- 'आरोपों ने मुझे विश्व विख्यात बना दिया'

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में बरी होने के बाद पूर्व सांसद मंगलवार को नोएडा पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बातचीत के दौरान कई मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखी। बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पूरी तरह राजनीतिक साजिश का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि उन्हें बदनाम करने की कोशिश की गई, लेकिन अदालत के फैसले ने सच्चाई सामने ला दी। उन्होंने कहा, 'जिन आरोपों के जरिए मुझे बदनाम करने का प्रयास किया गया, उन्हीं आरोपों ने मुझे देश ही नहीं बल्कि विश्व स्तर पर पहचान दिला दी।'उन्होंने महिला सुरक्षा कानूनों का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए बनाए गए कानून आवश्यक हैं, लेकिन उनका दुरुपयोग भी कई मामलों में देखने को मिलता है। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग ऐसे कानूनों का इस्तेमाल निर्दोष लोगों को फंसाने और उनका सामाजिक तथा राजनीतिक नुकसान पहुंचाने के लिए करते हैं। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने रामायण का उदाहरण देते हुए कहा कि प्राचीन भारतीय संस्कृति में महिलाओं को सम्मान और समान भागीदारी प्राप्त थी। उन्होंने रानी कैकेयी का उल्लेख करते हुए कहा कि इतिहास में कई बार परिस्थितियों के कारण व्यक्तियों को गलत रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि उनके योगदान को भुलाया नहीं जाना चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 3 अगस्त 2026 को बृजभूषण शरण सिंह और सह-आरोपी विनोद तोमर को छह महिला पहलवानों द्वारा लगाए गए यौन उत्पीड़न के मामले में बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे सिद्ध करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सका। अदालत के फैसले के बाद बृजभूषण शरण सिंह ने कहा, 'मैंने पहले ही दिन कहा था कि यदि मेरे खिलाफ एक भी आरोप साबित हो जाता, तो मैं स्वयं फांसी पर चढ़ जाता। आज अदालत के निर्णय ने सत्य को सामने ला दिया है।'

आईएमएस में भारत रक्षा पर्व का आयोजन, छात्राओं ने वीर जवानों के लिए भेजीं राखियां

(आधुनिक समाचार सीतापुर) नोएडा। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर राष्ट्रीय अभियान 'भारत रक्षा पर्व 2026' के अंतर्गत आईएमएस, नोएडा में एक प्रेरणादायी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारतीय सेना के वरिष्ठ पूर्व अधिकारी कर्नल सुरेश कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को राष्ट्रभक्ति, अनुशासन, नेतृत्व और सैनिकों के त्याग एवं बलिदान की प्रेरक गाथाओं से अवगत कराया। अपने संबोधन में कर्नल श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सैनिक सीमाओं पर कठिन परिस्थितियों में रहकर देश की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और रक्षाबंधन के अवसर पर सैनिकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान आईएमएस नोएडा की छात्राओं ने सुंदर-सुंदर राखियां वीर जवानों के लिए समर्पित कीं। छात्राओं ने राखियां के साथ भावनात्मक शुभकामना संदेश और पत्र भी लिखे, जिनमें उन्होंने देश की सुरक्षा में समर्पित सैनिकों के प्रति अपना स्नेह, सम्मान और आभार व्यक्त किया। ये राखियां दैनिक जागरण के भारत रक्षा पर्व 2026 अभियान के माध्यम से देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों तक भेजी जाएंगी। आईएमएस नोएडा के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र की सुरक्षा में अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले हमारे वीर सैनिकों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। ऐसे अभियान युवाओं में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं। आईएमएस नोएडा के एडवाइजर प्रो. (डॉ.) जे. के. शर्मा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण के संस्कार विकसित करना भी है। ऐसे आयोजन युवाओं को देशभक्ति, अनुशासन और सेवा भाव से जोड़ते हैं। वहीं डीन मैनेजमेंट एवं सीआरसी डॉ. वर्तिका चतुर्वेदी ने कहा कि युवा पीढ़ी को सैनिकों के त्याग और बलिदान से परिचित कराना समय की आवश्यकता है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को जिम्मेदार और संवेदनशील नागरिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

नोएडा की बेटी खुशबू वर्मा खुराना ने जीता मिसिज वर्ल्ड इंटरनेशनल 2026 का ताज, देश और शहर का बढ़ाया मान

(आधुनिक समाचार सीतापुर) नोएडा। सेक्टर-100 स्थित लोटस एस्पासिया सोसायटी की निवासी खुशबू वर्मा खुराना ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का गौरव बढ़ाते हुए प्रतिष्ठित मिसिज वर्ल्ड इंटरनेशनल 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे नोएडा, उत्तर प्रदेश और देश में गर्व एवं खुशी का माहौल है। खुशबू वर्मा खुराना ने अपनी प्रतिभा, आत्मविश्वास, व्यक्तित्व और उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर यह प्रतिष्ठित ताज हासिल किया। उनकी सफलता इस बात का प्रमाण है कि दृढ़ संकल्प, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ महिलाएं जीवन की हर जिम्मेदारी निभाते हुए अपने सपनों को साकार कर सकती हैं। खुशबू एक सफल कॉर्पोरेट प्रोफेशनल, समर्पित मां और प्रसिद्ध लाइफस्टाइल ब्लॉगर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके पांच लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं तथा विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उनकी मजबूत पहचान है। अपने सकारात्मक विचारों, प्रेरणादायक कंटेंट और सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के माध्यम से वह हजारों महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने और बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करती हैं। वह सामाजिक संस्था सखा एक पहल की ब्रांड एंबेसडर भी हैं और मानव कल्याण, महिला सशक्तिकरण तथा पशु संरक्षण जैसे सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उनका सामाजिक सरोकार यह दर्शाता है कि वह केवल ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का भी पूरी निष्ठा से निर्वहन करती हैं। मिसिज वर्ल्ड इंटरनेशनल 2026 का खिताब जीतना केवल खुशबू वर्मा खुराना की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि नोएडा और पूरे भारत के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता नई पीढ़ी और विशेष रूप से महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास ईमानदार हों, तो कोई भी सपना असंभव नहीं होता। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर लोटस एस्पासिया सोसायटी सहित नोएडा के नागरिकों, सामाजिक संगठनों एवं विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए खुशबू वर्मा खुराना को हार्दिक बधाई दी है तथा उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना की है।

करंट की चपेट में आने से महिला (65) की मौत

(आधुनिक समाचार सीतापुर) प्रयागराज। अतरसुइया में करंट की चपेट में आने से 65 वर्षीय कुसुम देवी की मौत। घटना के बाद इलाके में हड़कंप, मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुटी। जेई का दावा-नगर निगम की स्ट्रीट लाइट की तार से हुआ हादसा। आरोप है कि घर के बरामदे (बार्ज) के पास लगी स्ट्रीट लाइट की तार में करंट था। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो के आधार पर हादसे के कारणों को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए। पुलिस और संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटे।

सोनभद्र ओबरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई 138 एनआई एक्ट के 03 मुकदमों में वांछित वारंटी गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा/सोनभद्र । पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान तथा न्यायालय द्वारा निर्गत वारंटों की शत-प्रतिशत तामीली के क्रम में ओबरा पुलिस को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है। अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण में थाना ओबरा पुलिस ने धारा 138 एनआई एक्ट (चेक बाउंस) के 03 मुकदमों में वांछित वारंटी अभियुक्त को दबोच लिया। थाना ओबरा के उप-निरीक्षक रामसागर पटेल एवं मुख्य आरक्षी अशोक कुमार मंगलवार को क्षेत्र में अपराध नियंत्रण व वारंटियों की तलाश में गश्त पर थे। इसी दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शारदा मंदिर के समीप दबिश दी। पुलिस ने मौके से 138 एनआई एक्ट के 03 अलग-अलग मुकदमों में वांछित चल रहे अभियुक्त संजय कुमार विश्वास (उम्र लगभग 49 वर्ष) पुत्र स्व0 सुशील कुमार विश्वास, निवासी - गैस गोदाम रोड, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र को गिरफ्तार कर लिया। पकड़ा गया अभियुक्त मैसर्स अपर्णा एंटरप्राइजेज का प्रोपराइटर है। गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ सोनभद्र और वाराणसी की अदालतों से गैर-जमानती वारंट जारी थे।

(जे0बी0 सिंह बनाम संजय कुमार विश्वास) - धारा 138 एनआई एक्ट, थाना रॉबर्ट्सगंज (संबंधित न्यायालय माननीय सीजेएसडी/एफटीसी सोनभद्र)।(दिलीप कुमार बनाम संजय कुमार विश्वास) - धारा 138 एनआई एक्ट, थाना रॉबर्ट्सगंज (संबंधित न्यायालय माननीय सीजेएसडी/एफटीसी सोनभद्र)। मु0नं0 8980/23 (अनिल राय बनाम अपर्णा एंटरप्राइजेज) - धारा 138 एनआई एक्ट, थाना लंका, वाराणसी (संबंधित न्यायालय माननीय एसीजे-9 वाराणसी)। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली टीम में उप-निरीक्षक रामसागर पटेल एवं हे0का0 अशोक कुमार शामिल रहे। ओबरा पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश करने हेतु भेज दिया गया है। सोनभद्र पुलिस प्रशासन का स्पष्ट कहना है कि न्यायालय के आदेशों की अवहेलना करने वाले वारंटियों और अपराधियों के विरुद्ध यह सख्त कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी।

सोनभद्र आकाशीय विद्युत एवं भारी वर्षा की चेतावनी जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से सतर्क रहने की अपील की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम केन्द्र लखनऊ द्वारा जारी प्रभाव आधारित मौसम पूर्वानुमान एवं चेतावनी के अनुसार जनपद सोनभद्र में मेघगर्जन, आकाशीय विद्युत (वज्रपात) तथा कहीं-कहीं भारी वर्षा की संभावना व्यक्त की गई है। मौसम विभाग के इस पूर्वानुमान को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी एवं अध्यक्ष, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण सोनभद्र श्री चर्चित गौड़ ने समस्त जनपदवासियों से विशेष सतर्कता एवं सावधानी बरतने की अपील की है। जिलाधिकारी ने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान आकाशीय विद्युत (बिजली गिरने) की घटनाएं अचानक घटित होती हैं, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही जान-माल के लिए घातक साबित हो सकती है। उन्होंने दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा खराब मौसम, तेज गर्जना अथवा बिजली चमकने के दौरान खुले स्थानों, खेतों, पहाड़ियों, ऊंचे स्थानों और पेड़ों के नीचे कदापि खड़े न हों। बिजली के खंभों, तारों, ट्रांसफार्मर तथा नदी, तालाब, झरनों एवं अन्य जलाशयों के आसपास जाने से बचें। यदि मौसम अचानक खराब हो जाए या बिजली चमकने लगे, तो तत्काल किसी सुरक्षित पक्के भवन या मकान के भीतर शरण ल।जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से भारत सरकार और मौसम विभाग द्वारा जारी दो प्रमुख सुरक्षा ऐप्स को मोबाइल में इंस्टॉल करने की अपील की इस ऐप के माध्यम से भारी वर्षा, वज्रपात, बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित आधिकारिक चेतावनियां समय पर प्राप्त होती हैं, जिससे समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाए जा सकते हैं। यह ऐप विशेष रूप से आकाशीय विद्युत (वज्रपात) की लोकेशन आधारित पूर्व चेतावनी प्रदान करता है। ऐप पर वज्रपात का अलर्ट प्राप्त होते ही तुरंत खुले स्थानों को छोड़ दें और सुरक्षित स्थान पर चले जाएं। जिलाधिकारी ने कहा कि सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। समय पर प्राप्त चेतावनी का पालन कर अमूल्य मानव जीवन और पशुधन को बचाया जा सकता है। जिलाधिकारी ने सभी ग्राम प्रधानों, जनप्रतिनिधियों, राजस्व कर्मियों (लेखपालों), ग्राम सचिवों, आशा व आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं तथा स्वयंसेवी संगठनों से अपील की है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में ग्रामीणों को 'सचेत' व 'दामिनी' ऐप डाउनलोड कराएं और आपदा चेतावनियों का व्यापक प्रचार-प्रसार करें। जिला प्रशासन ने किसी भी आपातकालीन स्थिति या दुर्घटना की सूचना देने के लिए आपदा कंट्रोल रूम के नंबर जारी किए हैं। टोल फ्री नंबर 1077, लैंडलाइन नंबर 05444-297645, प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करें। सतर्क रहें, सुरक्षित रहें आपकी सावधानी ही आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा है।

महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर में युवा सक्रियता, मीडिया और विकसित भारत विषय पर संगोष्ठी आयोजित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शक्तिनगर/सोनभद्र महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, एनटीपीसी परिसर शक्तिनगर में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई प्रथम के तत्वावधान में मंगलवार (04 अगस्त 2026) को युवा सक्रियता, मीडिया और विकसित भारत विषयक एक दिवसीय संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर रहे महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के प्रो0 विनोद कुमार सिंह ने युवा शक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि युवा सक्रियता ही विकसित भारत की मजबूत नींव है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो0 विनोद कुमार सिंह ने कहाः-आज के दौर में युवा सक्रियता को एक नई धार और गति मिलती है जब युवा मीडिया, विशेष रूप से डिजिटल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति को वैश्विक मंच पर रखते हैं। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा घोषित विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए देश की युवा शक्ति और मीडिया दोनों एक-दूसरे के पूरक तथा ऊर्जा स्रोत के समान हैं। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित काशी विद्यापीठ शक्तिनगर परिसर की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ0 अपर्णा त्रिपाठी ने युवा संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के अंतरसंबंधों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के सूचना क्रांति के दौर में मीडिया को सही और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए युवाओं को देश के सर्वांगीण विकास में बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के वरिष्ठ प्राध्यापक उदय नारायण पाण्डेय ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में एक सशक्त माध्यम साबित हो रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे देश को उन्नति के पथ पर ले जाने के लिए अपना सर्वस्व योगदान दें। संगोष्ठी के दौरान युवा पत्रकार रोहित कुमार विश्वकर्मा ने वर्तमान सामाजिक व्यवस्था में युवाओं के समक्ष आ रही व्यावहारिक चुनौतियों की ओर ध्यान आकर्षित किया और उनके समाधान के ठोस उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का कुशल संचालन इकाई प्रथम के कार्यक्रम अधिकारी डॉ0 छोटे लाल प्रसाद द्वारा किया गया। संगोष्ठी को सफल बनाने में परिसर के प्राध्यापक डॉ0 ओम प्रकाश यादव, डॉ0 प्रभाकर लाल, अम्बरीश, रविकांत कुशवाहा, अमित कुमार सिंह, हिमांशु, राहुल सोनी, पंकज, साल्वी, अजय, अमृत लाल, नीरज, समीर, प्रभा, खुशबू, ममता, अंजलि सहित भारी संख्या में स्वयंसेवकों एवं छात्र-छात्राओं का सराहनीय सहयोग रहा।

सोनभद्र कैंसर पीड़ित महिला ने परिजनों का सहारा न मिलने पर जलाशय में कूदकर दी जान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) पिपरी/सोनभद्र। मंगलवार को जनपद सोनभद्र के पिपरी थाना क्षेत्र से एक अत्यंत हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ गंभीर बीमारी से जूझ रही एक महिला ने परिजनों का सहारा और सहयोग न मिलने से हतोत्साहित होकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पिपरी थाना क्षेत्र के डिंगिया नाला (जलाशय) में कूदकर कैंसर पीड़ित महिला ने आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना से पूरे इलाके में शोक और सनसनी की लहर दौड़ गई।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका लंबे समय से कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से पीड़ित थी और जिंदगी की जंग लड़ रही थी। बीमारी के चलते परिजनों व पति से अलग होकर वह अकेले ही तंगहाली और शारीरिक कष्ट में गुजर-बसर कर रही थी। बताया जा रहा है कि लंबे इलाज के बावजूद बीमारी में सुधार न होने और अपनों की ओर से कोई सहारा या आर्थिक सहयोग न मिलने के कारण महिला मानसिक रूप से काफी व्यथित थी। इसी पारिवारिक उपेक्षा और अवसाद से तंग आकर उसने डिंगिया नाले में छलांग लगा दी, जिससे डूबने से उसकी मौत हो गई।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना पिपरी पुलिस तत्काल दलबल के साथ मौके पर पहुँची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से महिला के शव को नाले से बाहर निकाला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने मृतका की शिनाख्त की और उसके परिजनों को घटना की सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की अग्रिम वैधानिक कार्रवाई में जुट गई है।

सोनभद्र पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने अत्याधुनिक इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना सड़क सुरक्षा को मिलेगी नई मजबूती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद सोनभद्र में सड़क सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाने, यातायात नियमों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने तथा आधुनिक तकनीक आधारित स्मार्ट पुलिसिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन ने एक बड़ी पहल की है। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस लाइन चुर्क से अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित इंटरसेप्टर वाहनों को हरी झंडी दिखाकर जनपद के प्रमुख मार्गों पर रवाना किया गया। रवाना किए गए ये इंटरसेप्टर वाहन सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात नियमों के उल्लंघनकर्ताओं पर डिजिटल निगरानी रखने के लिए हाई-टेक सुविधाओं से लैस हैं। तेज रफ्तार (ओवरस्पीडिंग) वाहनों की सटीक गति मापने हेतु। ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन और रात के अंधेरे में भी हाई-रिजॉल्यूशन वीडियो रिकॉर्डिंग। शराब पीकर वाहन चलाने वालों की तत्काल जांच के लिए। आमजन को जागरूक करने और आपात स्थिति के लिए। इन वाहनों का उपयोग जनपद के राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों, प्रमुख नगर क्षेत्रों तथा दुर्घटना संभावित ब्लैंक स्पॉट्स पर ओवरस्पीडिंग, ड्रंक एंड ड्राइव, रैश ड्राइविंग, स्टंटबाजी और ध्वनि/वायु प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई के लिए किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने विपरीत मौसम में भी मुस्तैदी से ड्यूटी करने वाले यातायात पुलिसकर्मियों का ध्यान रखते हुए उन्हें आवश्यक गियर वितरित किए। एसपी द्वारा यातायात पुलिसकर्मियों को छाते, रेनकोट, हाई-पावर टॉर्च, सनग्लासेज (ब्लैक चश्मा) एवं मास्क प्रदान किए गए, ताकि वे हर मौसम में अधिक प्रभावी और सुरक्षित तरीके से अपने कर्तव्यों का पालन कर सकें। वाहनों को रवाना करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया।इंटरसेप्टर वाहनों का संचालन पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं दक्षता के साथ किया जाए। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाए, साथ ही आम नागरिकों को सड़क सुरक्षा के नियमों के प्रति निरंतर जागरूक भी किया जाए। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार, क्षेत्राधिकारी ओबरा प्रभात राय, क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा, क्षेत्राधिकारी सदर सुधीर कुमार सिंह, प्रतिसार निरीक्षक मो0 नदीम, यातायात प्रभारी सहित यातायात शाखा के अधिकारी एवं कर्मचारीगण प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सोनभद्र ओबरा में आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस पर पतंजलि महिला समिति ने बांटे औषधीय पौधे लिया हजारों पौधरोपण का संकल्प

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ओबरा/सोनभद्र । पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आयुर्वेद शिरोमणि पूज्य आचार्य बालकृष्ण जी महाराज के जन्मदिवस के शुभ अवसर पर पूरे भारतवर्ष में पतंजलि महिला समिति द्वारा निःशुल्क पौध वितरण एवं पौधरोपण महाअभियान का आयोजन किया गया। इसी क्रम में ओबरा नगर पंचायत भवन एवं नया विवाह मंडप (सेक्टर 09) के प्रांगण में पतंजलि महिला समिति सोनभद्र (दक्षिणी क्षेत्र) की ओर से भव्य कार्यक्रम आयोजित कर जड़ी-बूटी दिवस बड़े धूमधाम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान महिला समिति सोनभद्र (दक्षिणी क्षेत्र) की जिला प्रभारी ममता श्रीवास्तव ने योग प्रशिक्षिका बहन मीनाक्षी मौर्य, ऋचा वर्मा, रितिका प्रजापति एवं प्रियंका सिंह को औषधीय पौधे भेंट कर उनका अभिनंदन व सम्मान किया। इसके पश्चात नगर पंचायत भवन और विवाह मंडपम परिसर में विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं पर्यावरण अनुकूल पौधे रोपे गए। उपस्थित बहनों ने कहा कि पौधों के संरक्षण से ही ओबरा को हरा-भरा और सुंदर बनाया जा सकता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला प्रभारी ममता श्रीवास्तव ने कहा कि 4 अगस्त को पतंजलि परिवार पूरे देश में जड़ी-बूटी दिवस के रूप में मनाता है। महिला समिति की ओर से सोनभद्र जनपद में हजारों पौधे लगाने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा पौधरोपण वहीं किया जा रहा है जहाँ पौधों की उचित सुरक्षा सुनिश्चित हो सके, ताकि वे सुरक्षित बढ़कर विशाल वृक्ष बन सकें।

पेड़ न केवल हमें फल, लकड़ी और शुद्ध ऑक्सीजन देते हैं, बल्कि जीव-जंतुओं, पशु-पक्षियों और समूचे मानव जीवन का आधार हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित योग शिक्षिकाओं व समिति की सदस्यों ने पर्यावरण संरक्षण का आह्वान करते हुए ओबरावासियों को जागरूक किया और निम्नलिखित संदेश दिए।एक पेड़, एक जिंदगी, पेड़ लगाओ, देश बचाओ, सांसें हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगाएं हम इस अवसर पर पतंजलि महिला समिति की पदाधिकारी, योग प्रशिक्षिकाएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

शिवद्वार मंदिर पहुँचे डीएम व एसपी कांवड़ यात्रा व्यवस्थाओं का लिया जायजा, शाहगंज बाजार में गंदगी पर जताई नाराजगी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पावन श्रावण मास के दृष्टिगत पवित्र शिवद्वार धाम में उमड़ रही शिव भक्तों और कांवड़ियों की भारी भीड़ को देखते हुए मंगलवार को प्रशासनिक व पुलिस अमला एक्शन मोड में नजर आया। जिलाधिकारी सोनभद्र चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने संयुक्त रूप से शिवद्वार मंदिर पहुँचकर कांवड़ यात्रा एवं मेले के संबंध में की गई व्यवस्थाओं का व्यापक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, स्वच्छता और चिकित्सा सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ियों के विश्राम स्थलों, मंदिर परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की स्थिति देखी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग द्वारा श्रद्धालुओं की देखभाल हेतु लगाए गए स्वास्थ्य शिविर तथा सुरक्षा के दृष्टिगत स्थापित मेला कंट्रोल रूम का भी जायजा लिया। जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) एवं अधिशासी अधिकारी (ईओ) नगर पंचायत घोरावल को कड़े निर्देश दिए। श्रावण मास में श्रद्धालुओं की अत्यधिक संख्या को देखते हुए शिवद्वार मंदिर परिसर और पहुंच मार्गों पर नियमित सफाई, पर्याप्त पेयजल, समुचित प्रकाश (लाइटिंग) व्यवस्था तथा अन्य मूलभूत सुविधाएं बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित की जाएं, ताकि दूर-दराज से आने वाले शिव भक्तों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शिवद्वार मंदिर के उपरांत जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने शाहगंज बाजार क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बाजार की सड़कों पर पसरी गंदगी, पानी के भराव और कीचड़ को देखकर अधिकारियों ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी (डीपीआरओ) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) के अधिशासी अभियंता को मौके पर ही कड़ी फटकार लगाते हुए तत्काल सफाई कराने तथा सड़क किनारे निर्माणाधीन नाले में आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाने का आदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिस मार्ग से कांवड़िए और श्रद्धालु गुजर रहे हैं, वहाँ स्वच्छता, समतलीकरण और सुगम यातायात हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए। स्थलीय निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी (एसडीएम) घोरावल विशाल कुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी नामित शरण, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग एस.के. सिंह सहित पुलिस, राजस्व व अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दुःखद- बीजेपी नेता विनोद गुप्ता का हार्ट अटैक से निधन,कोन में वरिष्ठ अधिवक्ता थे

सोनभद्र। सोनभद्र के कोन में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, अधिवक्ता और समाजसेवी विनोद गुप्ता (विनोद महाजन) का गुरुवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके आकस्मिक निधन की खबर फैलते ही भाजपा कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं, सामाजिक संगठनों और क्षेत्रवासियों में शोक की लहर दौड़ गई। विनोद गुप्ता लंबे समय से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े थे। वे संगठन में एक समर्पित कार्यकर्ता के रूप में सक्रिय भूमिका निभाते रहे। अपने सरल और मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वे समाज के सभी वर्गों में सम्मानित थे। सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी रहती थी और वे जरूरतमंदों की सहायता के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। भाजपा परिवार और क्षेत्र के लिए उनके निधन को एक बड़ी क्षति बताया जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, अधिवक्ताओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि विनोद गुप्ता के निधन से संगठन और समाज ने एक कर्मठ और लोकप्रिय व्यक्तित्व खो दिया है। शोक व्यक्त करने वालों ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिजनों को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

स्पोर्ट्स

हर्ष, शिवांग, तनुष और विप्रज टीम के नेट बॉलर,श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट की तैयारी, 15 अगस्त से सीरीज

स्पोर्ट डेस्क। श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट की तैयारियों को मजबूत करने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम इंडिया के कैंप में चार नेट बॉलर्स को शामिल किया है। बोर्ड ने बुधवार को बताया कि हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियान और विपराज निगम अभ्यास सत्र के दौरान भारतीय बल्लेबाजों को गेंदबाजी करेंगे, ताकि उन्हें मैच जैसी परिस्थितियों में तैयारी का मौका मिल सके। बीसीसीआई ने आधिकारिक जानकारी दी- बीसीसीआई ने अपने बयान में कहा, 'हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियान और विपराज निगम श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट से पहले तैयारियों में मदद के लिए नेट बॉलर्स के रूप में टीम के साथ जुड़े हैं।' घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन का मिला इनाम-इन चारों खिलाड़ियों ने हाल के घरेलू सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया है। तनुष कोटियान और हर्ष दुबे स्पिन गेंदबाज हैं। माना जा रहा है कि श्रीलंका की स्पिन चुनौती को देखते हुए उन्हें नेट्स में शामिल किया गया है।

आर प्रज्ञानानंदा सेंट लुईस टूर्नामेंट के रैपिड में टॉप पर,18 में से 12 पॉइंट्स जुटाए-अब 18 ब्लिट्ज मैचों से खिताब का फैसला

स्पोर्ट डेस्क। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका में खेले जा रहे सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस टूर्नामेंट के रैपिड में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने 18 संभावित पॉइंट्स में से 12 पॉइंट्स जुटाकर 1 पॉइंट की बढ़त बनाई। अब खिताब का फैसला 18 ब्लिट्ज मैचों से होगा। इस प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं। आखिरी राउंड में हार, फिर भी बढ़त बरकरार-रैपिड सेक्शन के नौवें और अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा को नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरीस्ट से हार मिली। इसके बावजूद वह 12 पॉइंट्स के साथ टॉप पर बने रहे। रैपिड सेक्शन में उन्होंने 4 मैच जीते, 4 ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मुकाबला गंवाया। सिंजारोव और वेस्ली सो संयुक्त दूसरे स्थान पर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंजारोव और अमेरिका के वेस्ली सो 11-11 पॉइंट्स के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। सिंजारोव इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के डी गुकेश को चुनौती देंगे। अब 18 ब्लिट्ज मैचों में होगा फैसला-

टूर्नामेंट का रैपिड सेक्शन खत्म हो चुका है। अब सभी खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जिनके बाद चैंपियन का फैसला होगा। 2 लाख डॉलर (करीब रु1.67 करोड़) की कुल इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार डॉलर (करीब रु42 लाख) मिलेंगे। ब्लिट्ज में हर जीत पर 1 पॉइंट मिलेगा, इसलिए प्रज्ञानानंदा के लिए अपनी बढ़त बनाए रखना आसान नहीं होगा। कीमर और सिंजारोव से मिलेगी कड़ी चुनौती-9-9 पॉइंट्स के साथ अमेरिका के लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंग्वेज, नीदरलैंड्स के अनीश गिरी और जर्मनी के विंसेंट कीमर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ब्लिट्ज फॉर्मेट में कीमर और सिंजारोव को प्रज्ञानानंदा के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट के बाद क्लासिकल फॉर्मेट का प्रतिष्ठित सिंक्वेफील्ड कप खेला जाएगा। ग्रैंड चेस टूर का अहम टूर्नामेंट-सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष ग्रैंडमास्टर हिस्सा लेते हैं। इस खिताब के साथ प्रज्ञानानंदा ने अंतरराष्ट्रीय सर्किट में एक और बड़ी सफलता अपने नाम की।

दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान जीत के पास, वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में 6 विकेट गिरे, साजिद को 4 विकेट, बढ़त सिर्फ 60 रन

स्पोर्ट डेस्क। त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी पोर्ट ऑफ स्पेन के क्वींस पार्क ओवल में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट के तीसरे दिन पाकिस्तान ने मैच पर मजबूत पकड़ बना ली। वेस्टइंडीज को पहली पारी में 344 रन पर समेटने के बाद पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की बढ़त हासिल की। इसके जवाब में मेजबान टीम ने दिन का खेल खत्म होने तक अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 103 रन बनाए। उसकी बढ़त अब सिर्फ 60 रन की रह गई है। स्पिनरों ने बदला मैच का रुख-तीसरे दिन का आखिरी सत्र मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। शुरुआती समय में वेस्टइंडीज के सलामी बल्लेबाजों ने पाकिस्तान की बढ़त खत्म कर दी थी, लेकिन इसके बाद स्पिनर साजिद खान और अली उस्मान ने लगातार विकेट लेकर मैच का रुख पाकिस्तान की ओर मोड़ दिया।साजिद खान ने तेजनारायण चंद्रपॉल को एलबीडब्लू आउट कर पहली सफलता दिलाई। इसके बाद उन्होंने शाई होप और नाइटवॉचमैन जेडन सील्स को भी पवेलियन भेजा। वहीं अली उस्मान ने दिन की आखिरी गेंद पर रोस्टन चेज का अपनी ही गेंद पर कैच लपककर वेस्टइंडीज को छठा झटका दिया। अब वेस्टइंडीज के सिर्फ चार विकेट बाकी हैं। ऐसे में उसके लिए पाकिस्तान के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखना आसान नहीं होगा। शफीक वेज 150 रन से पाकिस्तान को मिली बढ़त-इससे पहले पाकिस्तान की पहली पारी 387 रन पर सिमट गई। सलामी बल्लेबाज अब्दुल्ला शफीक ने शानदार 150 रन बनाए और टीम को पहली पारी में 43 रन की अहम बढ़त दिलाई। हालांकि, तीसरे दिन के पहले सत्र में पाकिस्तान ने जल्दी-जल्दी विकेट गंवा दिए। बाबर आजम 88 रन पर रन आउट हो गए। इसके बाद डेब्यू कर रहे अजान जफर बिना खाता खोले आउट हुए, जबकि सलमान आगा भी शून्य पर पवेलियन लौट गए। पाकिस्तान ने 5 रन के भीतर 3 अहम विकेट गंवा दिए। इसके बाद मोहम्मद रिजवान (22 रन) और साजिद खान (20 रन) ने उपयोगी पारियां खेलकर टीम की बढ़त 43 रन तक पहुंचाई। वॉरीकन ने लिए 6 विकेट-वेस्टइंडीज की ओर से बाएं हाथ के स्पिनर जोमेल वॉरीकन सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 42 रन देकर 6 विकेट लिए। वॉरीकन ने उबैद शाह और मोहम्मद अली को लगातार गेंदों पर आउट किया, हालांकि वह हैट्रिक से चूक गए। उनकी शानदार गेंदबाजी की बदौलत ही वेस्टइंडीज पाकिस्तान को पहली पारी में बड़ी बढ़त लेने से रोक सका।

गेहूं आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट,खाने से किडनी-लिवर डैमेज का रिस्क, जानें मिलावटी आटा कैसे पहचानें

नयी दिल्ली। हाल ही में से पता चला कि उत्तर प्रदेश की कई फैक्ट्रियों में गेहूं के आटे में सफेद पत्थर का चूरा (स्टोन पाउडर) मिलाया जा रहा है। रिपोर्टर ने बाकायदा ऑन कैमरा इस पूरे प्रोसेस को कैद किया। रिपोर्ट के मुताबिक हाथरस और फिरोजाबाद की फैक्ट्रियों में आटे में स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा था। कुछ दिन पहले बुलंदशहर, अलीगढ़ और फिरोजाबाद में भी ब्रांडेड आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट पकड़ी गई थी। इस रिपोर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है कि 'कहीं हम भी स्टोन पाउडर मिला आटा तो नहीं खा रहे हैं।' ऐसा आटा खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इससे लंबे समय में लिवर और किडनी डैमेज का रिस्क बढ़ता है। इसलिए आज मिलावटी आटे के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि स्टोन पाउडर मिले आटे की पहचान कैसे करें? आटा खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय को समझाने के लिए हमने एक्सपर्ट देवेन्द्र कुमार दुबे, फूड सेफ्टी ऑफिसर, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, दमोह व डॉ. आर.के. अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मिलावटखोर गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर क्यों मिलाते हैं? जवाब- मिलावटखोर ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर मिलाते हैं। यह गेहूं की तुलना में काफी सस्ता होता है। इसे मिलाने से आटे की मात्रा और वजन बढ़ जाता है, जबकि लागत कम रहती है। इससे मिलावटखोरों को ज्यादा मुनाफा होता है। चंद पैसों के लिए वे लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं और उन्हें 'स्लो पॉइजन' दे रहे हैं। सवाल- आटे में जिस स्टोन पाउडर की मिलावट की जा रही है, क्या वो कोई खास तरह का पत्थर होता है? जवाब- हां, इसे सेलखड़ी या सोपस्टोन कहा जाता है। यह राजस्थान के कुछ खदानों से निकाला जाता है। इसका इस्तेमाल कॉस्मेटिक्स, प्लास्टिक, पेंट, कागज और मूर्तियां बनाने जैसे कामों में होता है। यह खाने के लिए नहीं है, लेकिन मिलावटखोर मुनाफे के लिए इसे आटे में मिलाते हैं। इसका पाउडर बेहद महीन होता है। इसे आटे में मिलाने पर मुंह में किरकिराहट महसूस नहीं होती। रोटी के स्वाद और रंग में भी फर्क नजर नहीं आता, जिससे मिलावट पकड़ना मुश्किल होता है। सवाल- गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर के अलावा और किन चीजों की मिलावट पकड़ी गई है? जवाब- देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर गेहूं के आटे में मिलावट के मामले सामने आते रहते हैं। इनमें कई चीजों की मिलावट देखने को मिलती है- खड़िया मिट्टी (चॉक पाउडर) सस्ता स्टार्च, जरूरत से ज्यादा चोकर, मैदा, चावल/मक्के का आटा, खराब या फफूंद लगे गेहूं से तैयार आटा। सवाल- मिलावटी आटे के हेल्थ रिस्क क्या हैं? जवाब- स्टोन पाउडर मिला आटा खाने से पाचन तंत्र के साथ किडनी और लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। लंबे समय तक इसे खाने से कई स्वास्थ्य समस्याओं का रिस्क बढ़ता है। शॉर्ट टर्म:- पेट दर्द, गैस और अपच, कब्ज, दस्त, पेट फूलना। लॉन्ग टर्म:- किडनी डैमेज, लिवर डैमेज, आंतों को नुकसान, न्यूट्रिशन अब्जॉर्शन प्रभावित। सवाल- क्या सिर्फ देखकर मिलावटी आटे की पहचान कर सकते हैं? जवाब- नहीं, स्टोन पाउडर बहुत महीन और सफेद होते हैं। इन्हें आटे में मिलाने पर रंग, बनावट या रोटी के स्वाद में कोई खास फर्क नहीं दिखता। इसलिए मिलावट पकड़ना मुश्किल होता है। सवाल- आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट को कैसे पहचानें? जवाब- कुछ आसान घरेलू तरीकों से इसका पता लगाया जा सकता है। शक होने पर ऑथराइज्ड फूड टेस्टिंग लैब से आटे की जांच करानी चाहिए। आटे में 'स्टोन पाउडर' कैसे पहचानें? लेमन टेस्ट, कटोरी में आटा लें। नींबू की कुछ बूंदें डालें। बुलबुले बनें तो मिलावट है। वाटर टेस्ट गिलास में पानी भरें। आटा डालकर मिलाएं। तली में बैठ जाए तो मिलावट है। फिंगर टेस्ट:- हथेली पर रखकर रगड़ें। शुद्ध आटा खुरदुरा लगेगा। असामान्य चिकनाहट हो तो मिलावट है। नोट: ये तरीके केवल प्रारंभिक संकेत हैं। मिलावट की पुष्टि लैब टेस्ट से ही होती है। पैकेज्ड आटा खरीदते समय सिर्फ ब्रांड देखकर भरोसा न करें। पैकेट पर दी गई डिटेल्स, पैकेजिंग और क्वालिटी की जांच जरूर करें। पैकेज्ड आटा लेते हुए सावधानियाँ- विश्वसनीय ब्रांड चुनें। एफ.एस.एस.ए.आई लाइसेंस नंबर देखें।सीलबंद पैकेट ही खरीदें। मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपायरी डेट देखें। पैकेट फूला, फटा न हो। बहुत सस्ता आटा न खरीदें। खुला आटा खरीदते समय सिर्फ कीमत नहीं, क्वालिटी और साफ-सफाई पर भी ध्यान दें। साथ ही ग्राफिक में दी गई कुछ बातों का खास ख्याल रखें-भरोसेमंद दुकान से ही खरीदें। ताजा पिसा हुआ आटा लें। रंग, स्मेल और टेक्सचर देखें। नमी, कीड़े या गांठें न हों। घर पर दोबारा चेक करें। बहुत सस्ता आटा न खरीदें। आटे को सूखे डिब्बे में रखें। शक हो तो शिकायत करें। सवाल- क्या एफ.एस.एस.ए.आई ने आटे को लेकर कोई मानक तय किए हैं? जवाब- हां, 'भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण' (एफ.एस.एस.ए.आई) ने गेहूं के आटे के लिए क्वालिटी और सुरक्षा संबंधी मानक तय किए हैं। नियमों के मुताबिक- आटा साफ और अच्छी क्वालिटी के गेहूं से तैयार होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की हानिकारक मिलावट, असामान्य स्मेल या स्वाद नहीं होना चाहिए। एफ.एस.एस.ए.आई ने आटे में नमी और अन्य गुणवत्ता मानकों की भी सीमा तय की है। इन नियमों का पालन सभी फूड कारोबारियों के लिए जरूरी है। मिलावटी आटा यानी ढेर सारा टॉक्सिन। टॉक्सिन को छानने का काम किडनी का है। खराब खाना खाएंगे तो किडनी का वर्कलोड बढ़ेगा और वह डैमेज हो सकती है। इसलिए खाने में किसी भी तरह की मिलावट शरीर के लिए खतरनाक है।सवाल- अगर आटे में मिलावट का शक हो तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- ऐसे आटे का इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें। पैकेट, बिल और बचा हुआ आटा सुरक्षित रखें, ताकि जांच में जरूरत पड़ने पर उसे सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। राज्य के फूड सेफ्टी विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। एफ.एस.एस.ए.आई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' एप, टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट के जरिए शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत मिलने पर फूड सेफ्टी ऑफिसर सैंपल लेकर जांच करते हैं। सवाल- मिलावट की पुष्टि होने पर क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- ऐसे केस में संबंधित निर्माता, सप्लायर या विक्रेता के खिलाफ 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के तहत एक्शन लिया जाता है। मामले की गंभीरता के आधार पर ये कार्रवाइयां हो सकती हैं- मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए जा सकते हैं। फूड बिजनेस का लाइसेंस निलंबित हो सकता है। लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में जेल हो सकती है।

अल्काराज कलाई की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर,अप्रैल से कोई मैच नहीं खेला, यूएस ओपन पर भी संशय

स्पोर्ट डेस्क। दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज कलाई की पुरानी चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर हो गए हैं। इसके साथ ही अपना आखिरी मुकाबला खेला था। उसी मैच के बाद कलाई की चोट उभरने पर उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इसके बाद वह फ्रेंच ओपन और पूरा साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बढ़ गया है।

अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। वे सिनसिनाटी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने वाले थे, जिसे यूएस ओपन की सबसे अहम तैयारी माना जाता है। टूर्नामेंट डायरेक्टर बोले- जल्द कोर्ट पर लौटें, यही उम्मीद- सिनसिनाटी ओपन के टूर्नामेंट डायरेक्टर बॉब मोरान ने आधिकारिक बयान जारी कर अल्काराज के हटने की पुष्टि की।

उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने और फिर से मुकाबले खेलने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका फिर से स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।

' फ्रेंच ओपन और विंबलडन भी नहीं खेल सके- 21 साल के स्पेनिश स्टार अल्काराज ने 14 अप्रैल को बार्सिलोना ओपन में ग्रास-कोर्ट सीजन, जिसमें विंबलडन भी शामिल है, नहीं खेल सके। प्रैक्टिस से उम्मीद जगी, लेकिन फिटनेस नहीं मिली- हाल ही में सोशल मीडिया पर अल्काराज की प्रैक्टिस करते हुए तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे।

इसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन तक फिट हो जाएंगे।

हालांकि, कलाई पूरी तरह ठीक नहीं होने के कारण मेडिकल टीम ने उन्हें कोई जोखिम नहीं लेने की सलाह दी। यूएस ओपन में खेलने पर भी सवाल- अल्काराज का अगला लक्ष्य 30 अगस्त से शुरू होने वाला साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन है, जहां वह डिफेंडिंग चैंपियन हैं।

हालांकि, बिना किसी वार्म-अप मैच के सीधे ग्रैंड स्लैम में उतरना आसान नहीं होगा। अगर वह समय पर पूरी तरह फिट नहीं हो पाए, तो यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बना रहेगा।

बीसीसीआई की रिव्यू मीटिंग टली,सेक्रेटरी सैकिया की तबीयत खराब

आयरलैंड-इंग्लैंड दौरे के प्रदर्शन की समीक्षा होना थी

स्पोर्ट डेस्क। इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे पर भारतीय टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद होने वाली बीसीसीआई की रिव्यू मीटिंग फिलहाल टाल दी गई है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक बीसीसीआई सेक्रेटरी देवजीत सैकिया की तबीयत खराब होने की वजह से यह मीटिंग टाल दी गई है। मीटिंग अगस्त के पहले सप्ताह में होने वाली थी। अब उम्मीद है कि यह अगले कुछ दिनों में की जाएगी, जिसमें हेड कोच गौतम गंभीर वर्चुअली शामिल हो सकते हैं। आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से सीरीज हारी-टी-20 वर्ल्ड चैंपियन भारत का हालिया विदेशी दौरा उम्मीदों के बिल्कुल उलट रहा। टीम ने आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर कुल 10 मुकाबले खेले, लेकिन सिर्फ दो मैच ही जीत सकी। आयरलैंड के खिलाफ दो मैचों की टी-20 सीरीज में भारत को 2-0 से क्लीन स्वीप झेलना पड़ा। इस सीरीज में पहली बार श्रेयस अय्यर ने टी-20 टीम की कप्तानी संभाली थी। इंग्लैंड दौरे पर भी खराब रहा प्रदर्शन-इसके बाद इंग्लैंड दौरे पर भी भारतीय टीम का प्रदर्शन खराब रहा। पांच मैचों की टी-20 सीरीज में भारत को 4-0 से हार मिली, जबकि एक मुकाबला बारिश की वजह से रद्द हो गया। इसके बाद वनडे सीरीज में भी शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम 2-1 से सीरीज गंवा बैठी। बल्लेबाजों की रणनीति पर उठे सवाल-विदेशी दौरों पर भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन सबसे ज्यादा आलोचना का विषय बना। कई पूर्व क्रिकेटरों का मानना है कि आईपीएल 2026 और घरेलू टी-20 वर्ल्ड कप से पहले लगातार सपाट पिचों पर खेलने की वजह से बल्लेबाज मुश्किल परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढाल नहीं सके। हेड कोच गंभीर ने भी स्वीकार किया था कि खिलाड़ियों को सिर्फ पिच ही नहीं, बल्कि मैच की परिस्थितियों, हवा की दिशा और मैदान के आकार जैसी छोटी-छोटी बातों को भी बेहतर तरीके से समझने की जरूरत है। खिलाड़ियों की चोटिल पर चर्चा होनी थी-रिव्यू मीटिंग में टीम के बढ़ते चोटिल खिलाड़ियों पर भी चर्चा होनी थी। हाल ही में जसप्रीत बुमराह श्रीलंका टेस्ट दौरे से बाहर हो गए, जबकि साई सुदर्शन, हर्षित राणा, वॉशिंगटन सुंदर और नितीश रेड्डी भी चोट से उबर रहे हैं। लगातार बढ़ती इंजरी की घटनाओं के बाद टीम के फिजियो कमलेश जैन की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, कप्तान गिल और गंभीर भी प्रमुख खिलाड़ियों के बार-बार चोटिल होने से संतुष्ट नहीं हैं।

जरूरत से ज्यादा जांचें और दवाइयां भी अपने आप में एक बीमारी हैं

हाल ही में दो खबरें सामने आईं। पहली यह थी कि भारत के लगभग दस में से नौ वयस्कों में कोलेस्ट्रॉल या अन्य लिपिड

का स्तर सामान्य सीमा से ऊपर या नीचे है। दूसरी खबर अमेरिका से आई, जहां ऐसी नई दवाई को मंजूरी मिली है, जो एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 60फीसदी तक घटा सकती है। यह महज संयोग हो सकता है, लेकिन यह एक असुविधाजनक प्रश्न भी उठाता है : क्या किसी बीमारी का बोझ हमें तभी याद दिलाया जाता है, जब उसके इलाज के लिए नया बाजार तैयार होता है? मोटापा घटाने वाली दवाओं का हालिया अनुभव इसका स्पष्ट उदाहरण है। मोटापा वर्षों से बढ़ रहा था। लेकिन नई दवाओं के आते ही मोटापा चिकित्सा और मीडिया की सबसे चर्चित समस्याओं में शामिल हो गया। इससे जागरूकता तो बढ़ी, पर वजन को दवा से ठीक होने वाली बीमारी बना दिया गया। शारीरिक निष्क्रियता, तनाव, प्रोसेस्ड फूड जैसे मूल कारण पीछे छूट गए। भारत में हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा और फैटी लिवर बढ़ रहे हैं। हमारी जीवनशैली में बैठना बढ़ा है, चलना घटा है और भोजन में चीनी, मैदा तथा प्रोसेस्ड फूड बढ़े हैं। पिछले कुछ सालों में लिपिड और कोलेस्ट्रॉल उपचार के लक्ष्य लगातार नीचे आए हैं। अधिक जोखिम वाले मरीजों के लिए एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 55 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से नीचे रखने की सलाह दी जाती है। इससे पहले यह सीमा 70 थी। नई दवा एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को 56 से 59फीसदी तक घटा सकती है। लेकिन हर मरीज को इसकी जरूरत नहीं है। यह उनके लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, जिन्हें पहले हृदयाघात हो चुका है, जिनका हृदय जोखिम अधिक है या जिन्हें आनुवंशिक रूप से अत्यधिक कोलेस्ट्रॉल रहता है। इसी समय आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन के परिणाम भी आए। यह अध्ययन भारत के 23,665 वयस्कों पर आधारित था और इसमें पाया गया कि 87.3फीसदी लोगों में लिपिड से जुड़ी कम से कम एक असामान्यता थी। यहां यह समझना जरूरी है कि इसका अर्थ यह नहीं कि लगभग 90फीसदी भारतीयों का खराब कोलेस्ट्रॉल खतरनाक स्तर पर है या उन्हें दवा शुरू कर देनी चाहिए। इसमें वो लोग भी शामिल हैं, जिनका एचडीएल लेवल कम है। यह अच्छा कोलेस्ट्रॉल माना जाता है लेकिन इसको बढ़ाने की दवा नहीं आती है। यह सिर्फ अच्छी और स्वस्थ दिनचर्या से ही बढ़ सकता है। समस्या तब शुरू होती है, जब उपचार से हासिल किए जाने वाले लक्ष्य पूरी आबादी के लिए सामान्य मान लिए जाते हैं। जैसे ही इलाज का लक्ष्य बदला जाता है, लाखों लोग अचानक उस श्रेणी में आ जाते हैं, जिन्हें दवा दिए जाने योग्य माना जाता है। जबकि उनके शरीर में रातोंरात कोई नया नुकसान नहीं हुआ होता। इसे मेडिकलाइजेशन कहते हैं। इसका मतलब है कि किसी जोखिम, शारीरिक भिन्नता या जीवनशैली की समस्या को ऐसी बीमारी में बदल दिया जाए, जिसके लिए लगातार जांच और दवा जरूरी मानी जाने लगे। इसका अर्थ यह नहीं कि कोलेस्ट्रॉल की दवाएं बेकार हैं। असली प्रश्न यह है कि दवा किसे और कितने समय तक चाहिए। एक ओर करोड़ों लोगों को जरूरी उपचार नहीं मिलता, वहीं सम्पन्न वर्ग में जरूरत से अधिक जांच और दवाएं बढ़ रही हैं। थोड़े बढ़े एलडीएल वाला स्वस्थ युवा और हृदयाघात झेल चुका व्यक्ति एक जैसे मरीज नहीं हो सकते। जीवनशैली से पैदा बीमारियों का समाधान गोलियों से नहीं होगा। हमें बेहतर भोजन, सक्रिय जीवन और मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य-सेवाएं चाहिए। समझदार मरीज दवा से इनकार नहीं करता; वह दवा की जरूरत, लाभ और अवधि पर प्रश्न पूछता है और सोच-समझकर निर्णय लेता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं, डॉ. चन्द्रकान्त लहारिया)

सोशल बफर्स के तौर पर बॉट्स का इस्तेमाल 'सेल्फ मिसट्रस्ट' की महामारी

अजय रिसर्चर के तौर पर अपने काम में एआई का इस्तेमाल करता है। लेकिन लैब से बाहर भी एआई टूल उसका कन्वर्सेशन-कोच बन गया है। वह ईवनिंग

पार्टियों में बातचीत की शुरुआती लाइनें और मेहमानों व दोस्तों को विश करने के आइडिया लिखने में भी उसकी मदद लेता है। जब वह पूछता है कि यदि कोई ऐसा मुश्किल सवाल पूछ ले कि 'शादी कब कर रहे हो?' तब भी सामने वाले को जवाब देने में एआई उसकी मदद करता है। मान लीजिए बातचीत किसी ऐसी किताब या आर्टिकल पर पहुंच गई, जिसके बारे में अजय को जानकारी नहीं है तो वह तुरंत एआई से समरी मांग लेता है। जब तक एआई समरी बनाता है, उन पलों में अजय एक लाइन कहता रहता है कि 'मैं कभी-कभी पढ़ता हूं।' ऐसा नहीं कि अजय खुद नहीं सोच सकता, लेकिन एआई चीजों को थोड़ा आसान बना देता है। 20 वर्षीय अजय युवाओं की तेजी से बढ़ती उस जमात का हिस्सा है, जो बेहद इंसानी कामों को भी एआई से करवा रहे हैं। छोटी-बड़ी सोशल एंग्जायटी से जूझ रहे कई युवा अजय की तरह ही आमने-सामने की मुलाकात से पहले एआई की मदद लेते हैं। सामान्य व्हाट्सएप चैट में भी अब बॉट-जनरेटेड मैसेज दिखने लगे हैं, लेकिन इस उम्र के रोमांटिक पार्टनर्स के बीच इनकी संख्या काफी है। अचानक उनके टेक्स्ट सटीक ग्रामर वाले हो जाते हैं। जबकि सामने वाला जानता है कि यह वही व्यक्ति है, जो साधारण लाइनें भी पांच गलतियों के बगैर नहीं लिख पाता था। कई रिश्ते तो मजबूत बनने से पहले ही टूटने लगे हैं। एक पार्टनर चाहता है कि बातचीत थोड़ा विस्तार लिए हो, क्योंकि अपनापन उसी इनफॉर्मेलिटी से आता है। यह परफेक्शन इसलिए आती है, क्योंकि चैटबॉट्स इंसानी भाषा के पैटर्न को जोड़कर वाक्य बनाते हैं। मैं एक ऐसी लड़की को जानता हूं, जिसने अपनी रिलेशनशिप इसलिए खत्म कर दी, क्योंकि उसे लगा कि जिस लड़के को वह डेट कर रही थी, वह इतना आलसी और अनरोमांटिक है कि उसने उनकी बातचीत को भी एआई को सौंप दिया। ब्लॉक करने से पहले उसने अपने आखिरी मैसेज में कहा कि 'अजीब है कि तुम्हारे प्यार के शब्द भी अपने नहीं, एआई जनरेटेड हैं।' स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन में क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट एशली गोल्डन कहती हैं कि 'यह दोनों पक्षों के लिए नुकसानदायक है। चैटबॉट्स का उद्देश्य प्रोडक्टिविटी बढ़ाना था, रिलेशनशिप बनाना नहीं।' अगर आप ऐसे युवा हैं, जो अपना हर टेक्स्ट एआई से जंचवा रहे हैं तो आप खुद को यही सिखा रहे हैं कि आपकी अपनी समझ भरोसे लायक नहीं। यह बात खासतौर पर उन लोगों पर ज्यादा लागू होती है, जिन्हें सोशल एंग्जायटी रहती है। गोल्डन मानती हैं कि एआई लोगों को सोशल मिसस्टेप्स की पीड़ा से बचा सकता है, लेकिन यह राहत अस्थायी होती है। धीरे-धीरे यही टूल बैसाखी बन जाता है और लोग खुद के फैसलों पर ही कम भरोसा करने लगते हैं।आज कई एंजीक्यूटिव्स जब मैनेजमेंट के नोटिस का गुस्से भरा रिप्लाई लिखते हैं तो उसे एआई से सुधारने की कोशिश करते हैं। पहले मन के भाव लिखना और फिर उन्हें एआई के जरिए भाषा में ढालना रिसीवर को थोड़ा उलझन में डाल देता है। भाषा भले बेहतर हो जाती हो, लेकिन पत्र में भावनाएं कोई स्पष्ट रुख नहीं दर्शातीं। कई बार दोस्तों से आमने-सामने की बातचीत के लिए एआई का सहारा लेना युवाओं पर उल्टा भी पड़ चुका है और बाद में गोल्डन ने उनकी काउंसलिंग की। एक्सपर्ट्स का कहना है कि किसी मुश्किल बातचीत की तैयारी के लिए एआई का इस्तेमाल सही है, लेकिन पूरी बातचीत उसी के भरोसे नहीं होनी चाहिए। एआई यह बता सकता है कि क्या कहना है, लेकिन कैसे कहना है यह हर व्यक्ति को खुद सीखना होगा। विशेषज्ञों का सुझाव है कि बड़े इवेंट्स या क्लाइंट्स के जवाब तैयार करने तक तो एआई का इस्तेमाल ठीक है, लेकिन इमोशनल बातचीत की स्क्रिप्ट लिखवाना बैकफायर कर सकता है। क्योंकि वह आपके कैरेक्टर से मेल नहीं खाता। फंडा यह है कि अगर आप अपनी जिंदगी की हर चीज एआई से पॉलिश कराएंगे तो धीरे-धीरे अपनी ही आवाज पर भरोसा खो सकते हैं। एन. रघुरामन

हमें दुनिया को अपनी सभ्यता की बेहतर कहानी सुनानी होगी

मुझे दुनिया की विभिन्न सभ्यताओं से जुड़े महानतम संग्रहालयों को देखने का मौका

मिला है। हाल ही में जब मैंने गीजा के पिरामिड, एथेंस के एक्रोपोलिस और भूमध्यसागर के किनारे पर बने बिब्लियोथेका अलेक्जेंड्रिना (पुस्तकालय) को देखा तो वहां के ऐतिहासिक महत्व को देखकर अभिभूत रह गया। गीजा के ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम में विश्वस्तरीय संरक्षण, सुचिंतित डिजाइन और जीवंत कहानियों के जरिए मिस्र की पांच हजार वर्ष पुरानी सभ्यता से जुड़े एक लाख से अधिक पुरावशेष संग्रहित हैं। इनमें तूतनखामुन के मकबरे का खजाना भी है। एक्रोपोलिस में कांच के फर्श के नीचे प्राचीन बसावट को देखा जा सकता है, जो खुदाई में मिली थी। बिब्लियोथेका में ज्ञान को संरक्षित रखने के लिए किया गया निवेश स्पष्ट नजर आता है। भारत की सभ्यतागत विरासत भी इतनी ही समृद्ध है। हमारे पास सिंधु घाटी के सुनियोजित शहरों से लेकर स्मारकों, पांडुलिपियों, मंदिरों, किलों और पुरावशेषों तक दुनिया की बेहद समृद्ध ऐतिहासिक धरोहरें हैं। लेकिन जब भी मेरी डेस्क पर पर्यटन या शहरी विकास से जुड़े बड़े प्रोजेक्ट की कोई फाइल आती तो वह एक ही समस्या में जाकर उलझ जाती थी।

हमारे पास कहानियां तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें कहने वाले पर्याप्त संस्थान नहीं हैं। हमारे सबसे अच्छे पुरावशेष संग्रहालयों में ही कैद हैं। मसलन, कोलकाता के इंडियन म्यूजियम में कला, पुरातत्व और प्राकृतिक इतिहास से जुड़ी 25 लाख वस्तुएं हैं, नई दिल्ली के नेशनल म्यूजियम में दो लाख से अधिक पुरावशेषों का संग्रह है, लेकिन इनका एक छोटा-सा हिस्सा ही प्रदर्शित किया जाता है। इसमें भी समसामयिक डिजाइन, लाइटिंग और इंटरप्रिटेटिव मीडिया का सीमित ही उपयोग है। दरअसल, हमने उतनी महत्वाकांक्षा के साथ कभी हमारे इन संस्थानों में निवेश किया ही नहीं, जो हमारी महान विरासत को सहेजने, उनकी व्याख्या करने और इसे देश-दुनिया को बताने का काम करते हैं। हमारे म्यूजियम, आर्काइव्स और साइट इंटरप्रिटेशन सेंटर अपार संभावनाओं से भरे हैं, लेकिन उन्हें गंभीर संरक्षण, बेहतर क्यूरेशन, मजबूत डिजाइन और ज्यादा कल्पनाशीलता की जरूरत है। तभी वे उस सभ्यता के अनुरूप बन पाएंगे, जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। नॉर्थ-साउथ ब्लॉक को राष्ट्रीय संग्रहालय में बदलने की योजना इस बात का प्रतीक है कि संस्कृति राष्ट्र की मूल पहचान से जुड़ा मसला है। इसे दुनिया के सबसे बड़े संग्रहालयों में से एक बनाने की योजना है। इसमें इमर्सिव डिजाइन और डिजिटल माध्यमों से हजारों वर्षों की भारतीय सभ्यता की यात्रा बताई जाएगी। उम्मीद है कि अगले तीन वर्षों में कंटेंट टीमें आठ थीम आधारित क्षेत्रों में लगभग 30 दीर्घाएं विकसित करेंगी। केंद्रीय संग्रहालयों, एएसआई की साइटों और राज्यों के संग्रहालयों से 80 हजार से एक लाख तक पुरावशेष यहां लाए जाएंगे। इन्हें प्राचीन इतिहास और ज्ञान-परंपराओं से लेकर आधुनिक भारत तक की यात्रा के क्रम में व्यवस्थित किया जाएगा। अब तक सत्ता के केंद्र कहे जाने वाले नॉर्थ और साउथ ब्लॉक की पहचान अब महज दफ्तरों और औपचारिक आयोजनों से नहीं, बल्कि ऐसे स्थान के तौर पर होगी, जहां राष्ट्र को सुव्यस्थित स्मृतियों के जरिए देखा जा सकता है। यहां सिंधु घाटी के शहर, ज्ञान-परंपराएं, कोणार्क के सूर्य-रथ, चोलकालीन कांस्य प्रतिमाएं और संविधान से जुड़े दस्तावेज तक प्रदर्शित किए जाएंगे। स्पष्ट मानक तय किए जाएं तो रायसीना हिल की प्रत्येक गैलरी दुनिया के प्रमुख संग्रहालयों की बराबरी कर सकती है। यदि हम वाराणसी, हम्पी या जयपुर जैसे शहरों में भी ऐसे संग्रहालय विकसित करें, जो संरक्षण, डिजाइन और सेवाओं के मामले में विश्वस्तरीय मानकों पर खरे हों तो भारत खुद को वैश्विक पर्यटन सर्किट में स्थापित कर सकता है। पर्यटक आज आर्ट हॉलिडे, प्राइवेट म्यूजियम टूर और क्यूरेटेड यात्रा कार्यक्रमों पर काफी पैसा खर्च कर रहे हैं। सांस्कृतिक अनुभव देने वाली यात्राएं लग्जरी ट्रैवल ट्रेंड में अपना अहम स्थान बनाए हुए हैं। ऐसे में हम मौका न चूकें। (ये लेखक के अपने विचार हैं, अमिताभ कांत)

भारतीय युवाओं के सामने उभरती चुनौतियां

लेखक - श्री अमरनाथ सक्सेना, चीफ टेक्निकल ऑफिसर - कमर्शियल, बजाज जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड (पूर्व नाम बजाज आलियांज़ जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड)

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) भारत की 26फीसदी आबादी ऐसे लोगों की है जिनकी उम्र 15 से 29 साल के बीच है। भारत को इस बात पर गर्व है कि उसके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। ये युवा डिजिटल तौर-तरीकों को अच्छी तरह से समझते हैं, वे महत्वाकांक्षी हैं और कुछ नया प्रयोग करने से लेकर नए क्षेत्रों में कदम रखने से वे हिचकिचाते नहीं हैं। वे हमारे देश को विकास के अगले स्तर तक ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि इन उम्मीदों के साथ उन्हें कुछ नए तरह के जोखिमों से दो-चार होना पड़ रहा है, जिसका सामना पिछली पीढ़ी ने कभी नहीं किया था। साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधी ऑनलाइन ट्रेडिंग अकाउंट को हैक कर सकते हैं, और जो शॉपिंग वेबसाइटें बेहद सुरक्षित और भरोसेमंद दिखाई देती हैं, वहां भी लोग ठगी का शिकार बन सकते हैं। इससे आर्थिक सुरक्षा के लिए खतरा पैदा हो सकता है और यह एक गंभीर समस्या का रूप भी धारण कर सकती है। इसका असर केवल आर्थिक नुकसान तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि इसकी वजह से लोगों को गंभीर तनाव से गुज़रना पड़ता है, उनका मानसिक संतुलन बिगड़ता है और उन्हें चिंताजनक मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ता है। इतना ही नहीं, लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठकर काम करने से लोगों में जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां बढ़ रही हैं। वर्ष 2025 में भारत में 7फीसदी से अधिक ग्राहकों के साथ डिजिटल लेन-देन के दौरान धोखाधड़ी करने की कोशिश की गई, जो कि वैश्विक दर की तुलना में दोगुनी रही। डिजिटल खतरों में बढ़ोत्तरी- आज के दौर में स्मार्टफोन और टैबलेट शिक्षा, मनोरंजन से लेकर लोगों से संपर्क बनाने और यहां तक कि करियर बनाने की दिशा में भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार 15 से 29 साल की उम्र के जिन लोगों के पास मोबाइल है, उनमें से 95.5फीसदी लोग ग्रामीण क्षेत्रों से आते हैं, जबकि शहरों में इसी उम्र के 97.6फीसदी लोगों के पास अपना स्मार्टफोन है। गौरतलब है कि जहां टेक्नोलॉजी ने भारतीय युवाओं को सशक्त बनाया है, वहीं इसकी वजह

से वे गंभीर जोखिमों के प्रति असुरक्षित भी बन गए हैं। साइबर धोखाधड़ी जैसे कि पहचान चुराना, फिशिंग अटैक और वित्तीय धोखाधड़ी जैसे अपराध दिनोंदिन बढ़ते ही जा रहे हैं। युवा लोग जो अक्सर ऑनलाइन लेन-देन करते हैं, डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए निवेश करते हैं और कई पेमेंट एप्लीकेशन का इस्तेमाल करते हैं, यहां वे अक्सर साइबर अपराधों की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान को गंभीरता से नहीं लेते हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल (एनसीआरपी) के अनुसार वर्ष 2021 से जून 2025 तक के बीच 65.9 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। ये आंकड़ें दर्शाते हैं कि भारत में न केवल साइबर खतरों से जुड़े मामलों में वृद्धि हुई है, बल्कि ये मामले तेज़ी से बढ़ भी रहे हैं। सिर्फ एक साइबर घटना आपको भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाने, कानूनी दिक्कतों में डालने और भावनात्मक रूप से तोड़ने के लिए काफी हो सकती है। कई युवा नौकरीपेशा लोग इस बात से अनजान होते हैं कि भारत में अब लोगों के लिए खास साइबर इंश्योरेंस पॉलिसियां उपलब्ध हैं। ये पॉलिसियां अनधिकृत डिजिटल लेन-देन, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी, पहचान चुराना, ऑनलाइन वसूली और साइबर खतरों से प्रभावित हुए डिजिटल उपकरणों को ठीक करने में होने वाले खर्चों के लिए आर्थिक मदद पेश करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल जीवनशैली हमारी ज़िंदगी का हिस्सा बनती जा रही है, वैसे-वैसे युवा पीढ़ी के लिए साइबर इंश्योरेंस भी हेल्थ इंश्योरेंस जितना ज़रूरी बनते जा रहा है। साइबर अपराधी युवाओं को कई तरह से ठगी का शिकार बना सकते हैं, इसलिए साइबर खतरों से बचने के लिए आपके पास साइबर इंश्योरेंस का होना बेहद ज़रूरी है। साइबर अपराध और उसे अंजाम देने के तरीके:-जब ऑनलाइन शॉपिंग की बात आती है, तो विभिन्न सोशल मीडिया साइटों पर हमें तरह-तरह के विज्ञापन दिखते हैं और ये युवाओं को खासतौर पर आकर्षित करते हैं, क्योंकि इन पर ज़बरदस्त सेल ऑफर नज़र आता है। कई विज्ञापनों में तो ऐसे लुभावने प्रोडक्ट होते हैं, जो युवाओं को लगातार अपनी ओर आकर्षित करते हैं। उसके बाद जैसे ही खरीदार भुगतान कर देते हैं, वैसे ही फर्जी विक्रेता गायब हो जाते हैं। बाद में उनकी ऑनलाइन मौजूदगी का कोई नामोनिशान तक नहीं मिलता। इस तरह की धोखाधड़ी करने वालों को ढूंढने की सारी कोशिशें नाकामयाब हो जाती हैं और खरीदार को अपने पैसे गंवाने पड़ते हैं। कुछ मामलों में ऐसे विज्ञापनों की लिंक पर टैप या क्लिक करने से आपके मोबाइल पर मैलवेयर इंस्टॉल हो सकता है, जिसकी वजह से आपकी पहचान चुराई जा सकती है और यहां तक कि लोगों के पैसों की डिजिटल चोरी हो सकती है और वे ऑनलाइन वसूली का शिकार भी बन सकते हैं। युवाओं को इस बात की भी सावधानी बरतनी चाहिए कि ऑनलाइन लिंक में छिपा मैलवेयर उनके डिवाइसों को खराब कर सकता है। व्यक्तिगत साइबर पॉलिसी लोगों को कई तरह के कवर पेश करती है, जो कि उपरोक्त घटनाओं की वजह से होने वाले आर्थिक नुकसान से सुरक्षा प्रदान करती है। जहां ऑनलाइन शॉपिंग कवर फर्जी शॉपिंग वेबसाइट या ऐप पर की गई खरीदारी से हुए आर्थिक नुकसान से सुरक्षा पेश करता है, वहीं डेटा रिस्टोरेशन कवर मैलवेयर हमले के बाद डिवाइस को सुरक्षित रखने और उसे पुरानी स्थिति में वापस लाने के लिए आईटी पेशेवरों पर होने वाले खर्चों से आपको बचाता है। स्वास्थ्य संबंधी विकार और इंश्योरेंस की अहमियत- आज के भारतीय युवा जिस चुनौती का सामना कर रहे हैं, वह है जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां। हाल के अध्ययन पुष्टि करते हैं कि भारतीय युवाओं में डायबिटीज़, कार्डियक अरेस्ट जैसे मामले तेज़ी से बढ़ रहे हैं, जबकि पहले ये बीमारियां अधेड़ उम्र के लोगों को होती थीं। हाल की रिपोर्टों के अनुसार लगभग 18-40 साल की उम्र के 18फीसदी लोग डायबिटीज़ से जूझ रहे हैं, जबकि 25फीसदी लोग प्री-डायबिटीक हैं। इससे यह बात पता लगती है कि पहले डायबिटीज़ को अधेड़ उम्र में होने वाला रोग माना जाता था, लेकिन अब यह विचारधारा बदल रही है। अध्ययन दर्शाते हैं कि 40 साल से कम उम्र के लोगों में कार्डियक के मामले बढ़ रहे हैं, जो कि गंभीर चिंता का विषय है।इन बीमारियों के बढ़ते मामलों को देखते हुए, युवाओं के लिए बेहद ज़रूरी है कि वे अपने लिए एक ज़बरदस्त हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ज़रूर चुनें। और तो और युवाओं के लिए यह भी ज़रूरी है कि वे इसे कम से कम उम्र में लें, ताकि सेहतमंद रहते हुए वे पॉलिसी की प्रतीक्षा अवधि पूरी कर लें। इससे यह बात भी पक्की हो जाएगी कि उन्हें फटाफट कवरेज मिलेगा और जब उन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत होगी, तब वे इसे अच्छी तरह से इस्तेमाल कर पाएंगे। जब भी हेल्थ इंश्योरेंस चुनने की बात आए, तो सूझबूझ के साथ ऐसी पॉलिसी लें जिसमें ओपीडी कवर शामिल हो। इस तरह का कवर मामूली बीमारी/विकार के इलाज के लिए खासतौर पर फायदेमंद है, जिसमें आपको अस्पताल में भर्ती होने की ज़रूरत नहीं होती और डॉक्टर की सलाह और बताई गई दवाइयों से आसानी से इलाज हो सकता है। इसके अलावा, एक और चुनौती जिसका यह देश सामना कर रहा है वह है कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों में आ रही तेज़ी। इसी के मद्देनज़र बेहतर है कि आप क्रिटिकल इलनेस पॉलिसी कवर का चयन करें। यह एक लाभ-आधारित पॉलिसी है, जिसमें कैंसर, कार्डियक सर्जरी के साथ-साथ कई दूसरी बीमारियों का पता लगने पर आपको एकमुश्त राशि प्रदान की जाती है।

नागरिकों की जान बराबर तो फिर मुआवजों में अंतर क्यों?

अब जब धर्मेंद्र प्रधान ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है और प्रदर्शनकारी छात्रों के खिलाफ दर्ज एफआईआर भी रद्द की गई हैं तो कॉरकोच जनता पार्टी द्वारा पेपर-लीक से

आत्महत्या करने वाले 21 छात्रों को एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग अटक सकती है। रेप विक्टिम, एसिड अटैक, सीवर लाइन में मौत, साइबर फ्रॉड जैसे मामलों में मुआवजे के लिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले हैं। दुर्घटना में घायल होने वालों और मृतकों के मुआवजे के लिए कानून हैं। वीडियो मैसेज में प्रधानमंत्री ने युवाओं के आक्रोश को स्वीकारा है। अन्याय और कुशासन के खिलाफ जेन-जी के आंदोलन को गवर्नेंस में बेहतरी और सरकारी जवाबदेही से नियंत्रित किया जा सकता है। संविधान में नागरिकों को समान अधिकार हैं और एक देश एक कानून के नारे पर जोर है। ऐसे में तंत्र की विफलता और अन्याय से पीड़ित लोगों को समान मुआवजा देने की अपेक्षा से जुड़े 4 पहलुओं को समझें:- 1. राहुल गांधी ने पिछले 10 सालों में 152 परीक्षाओं में पेपर-लीक का आरोप लगाया है। इसका सामना करने के बजाय भाजपा नेता विपक्ष-शासित राज्यों में परीक्षा माफिया के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार 2014 से 2024 के दौरान लगभग 1.23 लाख छात्रों ने अलग-अलग कारणों से आत्महत्या की थी। ऐसे में क्या सभी मामलों में एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाएगा? 2. सांड के हमले से मृत एक व्यक्ति के परिवार को हाईकोर्ट जज ने 29.32 लाख मुआवजा दिलवाने का आदेश दिया था, जिसे डिवीजन बेंच ने रद्द कर दिया। दुर्घटना के 20 साल बाद, सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस करोल की पीठ ने मानवीय आधार पर 15 लाख रुपए मुआवजा देने का फैसला दिया। दूसरे मामले में जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सड़क दुर्घटना में घायल 6 महीने की बच्ची के लिए मुआवजे को 45.40 लाख से बढ़ाकर 83.38 लाख कर दिया। उनके अनुसार मानवीय गरिमा और जीवन के अधिकार के प्रति जजों को संवेदनशील रहना चाहिए। एक रिपोर्ट के अनुसार महानगरों में 58 फीसदी से ज्यादा सड़क हादसे आवारा कुत्तों और मवेशियों की वजह से हो रहे हैं। तब तो मवेशियों की वजह से घायल, मरने वालों और फसल नुकसान के सभी मामलों में भी पीड़ितों और किसानों को मुआवजा मिलना चाहिए। 3. सरकारी आंकड़ों के अनुसार कोरोना से लगभग 4.5 करोड़ लोग बीमार हुए और 5.33 लाख मौतें हुईं। 2015 के कानून में बाढ़, सूखा और भूकम्प जैसी आपदा में मरने वालों के परिजनों के लिए 4 लाख के मुआवजे का प्रावधान किया गया था। कोरोना संकट से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन कानून लागू हुआ था, लेकिन उसके अनुसार मुआवजा नहीं मिला। 2020-21 के लॉकडाउन की वजह से 989 मृतकों को भी मुआवजा नहीं मिला। खबरों के अनुसार नोटबंदी के दौरान 105 लोग मरे थे, पर उन्हें भी मुआवजा नहीं मिला। पानी-हवा के प्रदूषण से मरने वालों को मुआवजे के लिए व्यावहारिक कानून नहीं हैं। 4. पुलिस लॉकअप में आधे घंटे की अवैध हिरासत के मामले में 2023 में दिल्ली हाईकोर्ट ने 50 हजार रुपए मुआवजे का आदेश दिया था। सजा खत्म होने के बावजूद जेल में रखने के मामले में 2022 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने 3 लाख रुपए मुआवजे का आदेश दिया था। दिल्ली सरकार की योजना के अनुसार जेल में अप्राकृतिक मौत (फांसी लगाकर या उत्पीड़न से) पर 7.5 लाख का मुआवजा मिलेगा। जेलों में बंद दो तिहाई कैदी वंचित वर्ग से हैं। ऐसे लाखों लोगों को मुकदमे में रिहाई के बावजूद गैर-कानूनी गिरफ्तारी के लिए मुआवजा नहीं मिलता। केंद्र सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसलों को पूरे देश में लागू करवाने की खासी जरूरत है। कोरोना संकट से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन कानून लागू हुआ था, लेकिन उसके अनुसार मुआवजा नहीं दिया गया है। 2020-21 के कोविड लॉकडाउन की वजह से 989 मृतकों को भी मुआवजा नहीं मिला है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,विराग गुप्ता)

ईरान जंग में तेल कंपनियों ने अरबों डॉलर कमाए,6 बड़ी कंपनियों का अभी तक का रिकॉर्ड मुनाफा, दुनिया महंगाई से जूझी

तेहरान/वॉशिंगटन डीसी।प्रेस टीवी ने यह भी दावा किया कि आग की घटना का वीडियो बनाने वाले दो लोगों को यूएई अधिकारियों ने हिरासत में लिया है। इस दावे की भी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जेबेल अली यूएई का सबसे बड़ा लॉजिस्टिक्स और औद्योगिक केंद्र माना जाता है। यहां जेबेल अली पोर्ट और जेबेल अली फ्री जोन स्थित हैं, जहां 150 से ज्यादा देशों की 11 हजार से अधिक कंपनियां काम करती हैं। होर्मुज स्ट्रेट पर कैसी डील की तैयारी? ईरान और ओमान के बीच होर्मुज स्ट्रेट को लेकर बातचीत अब अहम मोड़ पर पहुंचती दिख रही है। अमेरिका भी लगातार कह रहा है कि जल्द कोई समझौता हो सकता है। ऐसे में सवाल है कि आखिर इस डील में ऐसा क्या हो सकता है, जिससे दुनिया के सबसे अहम समुद्री रास्ते पर तनाव कम हो जाए। सबसे पहले समझिए, नया प्लान क्या है? रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान और ओमान होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही के लिए नए नियम बनाने पर बात कर रहे हैं। जो जहाज ईरान की तरफ आएंगे, उन पर ईरान नजर रखेगा। जो जहाज बाहर जाएंगे, वे ओमान के रास्ते निकलेंगे। ओमान जहाजों को क्लियरेंस देगा, लेकिन इसकी जानकारी पहले ईरान को भी होगी। अगर ईरान को जरूरत लगी, तो वह जहाजों की जांच भी कर सकेगा। ये 'मिडिल कॉरिडोर' क्या है? अभी जहाजों के लिए अलग-अलग समुद्री रास्ते हैं। ईरानी मीडिया का दावा है कि उनकी जगह एक नया 'मिडिल कॉरिडोर' बनाया जा सकता है। आसान शब्दों में कहें तो यह ऐसा नया समुद्री रूट होगा, जिससे जहाज ज्यादा सुरक्षित तरीके से गुजर सकें और टकराव या तनाव की आशंका कम हो। ईरान आखिर चाहता क्या है? ईरान का कहना है कि उसके लिए सिर्फ जहाजों की आवाजाही अहम नहीं है। वह अपनी सुरक्षा और संप्रभुता को भी उतना ही महत्वपूर्ण मानता है। इसी वजह से वह चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले हर जहाज की जानकारी उसके पास रहे।

इसमें अमेरिका की एंट्री क्यों है? रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान चाहता है कि अगर यह डील होती है, तो उसके बंदरगाहों पर लगी अमेरिकी पाबंदियों में भी कुछ राहत मिले।

वहीं अमेरिका चाहता है कि होर्मुज स्ट्रेट पूरी तरह खुला रहे, ताकि दुनिया भर में तेल और गैस की सप्लाई बिना किसी रुकावट के जारी रह सके।

शांत पीओके पाकिस्तान के लिए कैसे बना परेशानी का सबब,12 रिजर्व सीटें क्यों खत्म कराना चाहते हैं प्रदर्शनकारी

मुजफ्फराबाद।अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर पीओके को ज्यादा स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है। सबसे बड़ी मांग

पीओके विधानसभा की 45 सीटों में से 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की है। ये सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं। (जे.ए.ए.सी) का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें पीओके की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। (जे.ए.ए.सी) के मुताबिक इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है। सरकार ने एलओसी को दुनिया के बाकी हिस्से से काटा-न्यूयॉर्क टाइम्स के रिपोर्टर जब पिछले सप्ताह इलाके में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पाकिस्तान सरकार ने पीओके के कई हिस्सों को लगभग बाहरी दुनिया से काट दिया है। पूरे इलाके में कई हफ्तों से इंटरनेट सेवा बंद थी। इसका असर सिर्फ मोबाइल और सोशल मीडिया पर नहीं पड़ा, बल्कि बैंक और एटीएम सेवाएं भी प्रभावित हुईं। मुजफ्फराबाद जाने वाली सड़कों पर जगह-जगह पुलिस की चौकियां बनाई गई थीं। नीलम और झेलम नदी के आसपास की ठंडी और हरी-भरी घाटियां, जहां आमतौर पर गर्मियों में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं, इस बार लगभग खाली दिखाई दीं। पाकिस्तान के सामने कई संकट-पीओके में उठा यह आंदोलन ऐसे समय में हो रहा है, जब पाकिस्तान पहले से कई मोर्चों पर सुरक्षा चुनौतियों से जूझ रहा है। बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में सेना लंबे समय से उग्रवादी संगठनों के खिलाफ अभियान चला रही है, जिसमें हाल के कुछ साल में हजारों सुरक्षाकर्मी मारे जा चुके हैं। ऐसे माहौल में पीओके इनकी तुलना में अब तक शांत माना जाता था, लेकिन अब यह धारणा बदल चुकी है। जिस पीओके को पाकिस्तान हमेशा शांत बताता रहा, वहीं अब उसके खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। भारत के फैसले के बाद बढ़ा पीओके में तनाव-एक्सपर्ट्स का मानना है कि पीओके में चल रहे आंदोलन की शुरुआत 2019 की घटनाओं के बाद हुई। उसी साल भारत ने जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा खत्म कर दिया था। इसके विरोध में पीओके में भी प्रदर्शन हुए और लोग नियंत्रण रेखा (एलओसी) के उस पार रहने वाले कश्मीरियों के समर्थन में सड़कों पर उतरे। मुजफ्फराबाद के राजनीतिक कार्यकर्ता जाहिद अमीन का कहना है कि लोगों की नाराजगी सिर्फ भारत के फैसले से नहीं थी। उन्हें इस बात का भी गुस्सा था कि भारत के फैसले के बाद पाकिस्तान ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। यहीं से पाकिस्तानी नेताओं के खिलाफ लोगों में नाराजगी बढ़नी शुरू हुई। (जे.ए.ए.सी) बोली- पाकिस्तान से अलग होना नहीं चाहते-पीओके एक विशेष संवैधानिक व्यवस्था के तहत चलता है। यहां अपना राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विधानसभा, सुप्रीम कोर्ट और अलग झंडा है। हालांकि रक्षा, विदेश नीति और कई अहम मामलों पर अंतिम फैसला पाकिस्तान की केंद्र सरकार का ही होता है। यहां चुनाव तो होते हैं, लेकिन चुनाव लड़ने वाले हर उम्मीदवार को पाकिस्तान के प्रति निष्ठा की शपथ लेनी पड़ती है। यही वजह है कि स्थानीय स्तर पर कई लोग मानते हैं कि उनके पास सीमित अधिकार हैं और बड़े फैसले इस्लामाबाद में लिए जाते हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ((जे.ए.ए.सी)) का कहना है कि वह न तो पाकिस्तान से अलग होना चाहती है और न ही भारत में शामिल होना चाहती है। संगठन का कहना है कि उसकी सिर्फ इतनी मांग है कि पीओके के लोगों को अपने इलाके के फैसले लेने का ज्यादा अधिकार मिले। इसके लिए वह ज्यादा स्थानीय अधिकार और संवैधानिक बदलाव की मांग कर रहा है।सेना बोली- आंदोलनकारी कानूनी तरीके से मांग उठाएं-पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी का कहना है कि सरकार ने आंदोलनकारियों के खिलाफ संयम बरता है। चौधरी ने कहा कि सरकार ने कई बार (जे.ए.ए.सी) से कहा कि वह 27 जुलाई से शुरू हुए स्थानीय चुनाव में हिस्सा ले और अपनी मांगें कानूनी तरीके से उठाए। लेकिन आंदोलनकारी सड़क पर दबाव बनाकर अपनी मांगें मनवाना चाहते हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने स्थानीय चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। संगठन का आरोप है कि आंदोलन से जुड़े कई उम्मीदवारों के नामांकन पत्र बिना कोई वजह बताए खारिज कर दिए गए। हालांकि पाकिस्तान सरकार ने इस आरोप से इनकार किया है। इस्लामाबाद के राजनीतिक विश्लेषक कमर चीमा का कहना है कि 2024 और 2025 के आंदोलनों के दौरान सरकार ने बिजली सस्ती करने और आटे पर सब्सिडी जैसी रियायतें दी थीं। इससे लोगों में यह धारणा बन गई कि सड़क पर उतरकर दबाव बनाने से सरकार झुक जाती है। इसी वजह से (जे.ए.ए.सी) अब राजनीतिक और संवैधानिक मांगों को लेकर भी बड़े आंदोलन कर पा रही है।

क्या बृजभूषण के सामने झुकेगी बीजेपी, क्षत्रिय वोट पर दबदबा,केस में बरी होने के बाद दो बयान

लखनऊ। यौन शोषण केस में बरी होने के बाद 2 बयानः- 1.'मेरे खिलाफ कोई आरोप साबित होता है, तो खुद फांसी पर लटक जाऊंगा।' मई, 2023, 2.'जिस लोकसभा से बेइज्जत करके निकाला गया हूं, एक बार वहां लौटूंगा जरूर-ये बयान यौन शोषण के आरोप लगने और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में टिकट कटने पर बृजभूषण शरण सिंह ने दिए थे। अब कोर्ट ने उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया है। ऐसे में यूपी और भाजपा में बृजभूषण का वजन एक बार फिर से बढ़ गया है। अब सवाल ये हैं कि बृजभूषण जिस पार्टी में होंगे, क्या चुनाव में उसी को फायदा होगा? जवाबः हां, बृजभूषण का राजनीतिक महत्व एक सीट या जिले तक सीमित नहीं है। पिछले तीन दशकों में उन्होंने पूरे देवीपाटन मंडल समेत आस-पास जिलों में ऐसा नेटवर्क बनाया है, जो भाजपा और जातिगत सीमाओं को पार कर चुका है। इसी वजह से वह पार्टी से इतर पूर्वी यूपी के सबसे प्रभावी नेताओं में गिने जाते हैं। बृजभूषण गोंडा समेत आसपास की 25 सीटों पर सीधा असर रखते हैं। इसका असर पिछले 4 विधानसभा चुनाव में साफ नजर आता है। इस दौरान 2 बार भाजपा से उनके रिश्ते ठीक नहीं रहे। इससे भाजपा को नुकसान हुआ और विपक्षी पार्टी को सीधा फायदा मिला। 2007 विधानसभा चुनाव के समय बृजभूषण और भाजपा के रिश्ते ठीक नहीं थे। दरअसल, 2004 लोकसभा चुनाव में गोंडा सीट से भाजपा प्रत्याशी घनश्याम शुक्ला की एक संदिग्ध सड़क हादसे में मौत हो गई। आरोप बृजभूषण पर लगा था। इसके बाद भाजपा नेतृत्व और बृजभूषण के बीच दूरियां बढ़ती गईं। 2007 विधानसभा चुनाव में देवीपाटन मंडल (गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच) और तब के

फैजाबाद जिले की 25 सीटों पर टिकट बंटवारे में भाजपा ने बृजभूषण की अनदेखी की। वे अपने समर्थकों को टिकट दिलवाना चाहते थे। नाराज बृजभूषण ने भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ काम किया। नतीजा ये हुआ कि इन 25 सीटों में से बसपा को 11, सपा को 7 और भाजपा को सिर्फ 3 सीटें मिलीं।2012 विधानसभा चुनाव तक बृजभूषण सपा में आ चुके थे। तब सपा को 18 और भाजपा को सिर्फ 4 सीटें मिलीं। 2017 चुनाव तक बृजभूषण फिर से भाजपा में आ गए थे। तब भाजपा को 23 सीटें मिलीं। 2022 विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 18 सीटें जीतीं। वरिष्ठ पत्रकार सुरेश जी कहते हैं- बृजभूषण का पूर्वांचल, देवीपाटन और अयोध्या के इलाके में अच्छा प्रभाव है। यही वजह है कि सभी पार्टियां उनका साथ चाहती हैं। बड़ी बात यह है कि बृजभूषण ही डिसाइड करते हैं कि वे किस पार्टी से चुनाव लड़ेंगे। सभी पार्टियां उनको लेने के लिए आतुर रहती हैं। बृजभूषण सिंह शुरू से कह रहे थे कि आरोप राजनीति से प्रेरित हैं। ये कभी साबित नहीं होंगे। कोर्ट के फैसले से यह साबित हो गया। इससे उनके समर्थकों में नया उत्साह भर गया है। इसका फायदा निश्चित रूप से बृजभूषण सिंह और उनके परिवार को मिलेगा। साथ ही वो जिस पार्टी के साथ होंगे, उसे भी फायदा होगा।

शेख हसीना बोलीं- दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगीः2 साल बाद वर्चुअल भाषण दिया, कैमरा ऑफ था; बांग्लादेश सरकार बोली- दिल्ली में बैठकर जहर उगला

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना

ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। 25 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा- 'मुझे पता है कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाउंगी। लोगों का समर्थन मेरे लिए बहुत जरूरी है। मौत की सजा, झूठे मुकदमे और दिखावटी सुनवाई मुझे डरा नहीं सकती। मेरे खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई गैरकानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है।' हसीना ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से बांग्लादेश नहीं छोड़ा था। प्रदर्शनकारियों के प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ने पर उनके पास वहां से निकलने के लिए सिर्फ 30 से 40 मिनट का समय था। तब उन्हें नहीं पता था कि वे देश छोड़कर जा रही हैं। वह अपने पैतृक गांव तुंगीपाड़ा जाने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन हालात ऐसे बने कि देश छोड़ना पड़ा। हसीना के भाषण के बाद बांग्लादेश सरकार ने एक बयान जारी किया, जिसमें कहा गया है कि बांग्लादेश इस बात से आहत है कि नरसंहार की दोषी शेख हसीना को दिल्ली में मीडिया से संवाद करने दिया गया। जहां उन्होंने बांग्लादेश और उसके लोगों के खिलाफ जहरीले बयान दिए। इससे पहले हसीना की मीटिंग में शामिल पूर्व क्रिकेटर और पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के घर पर कुछ लोगों ने आग लगाने की कोशिश की। दावा किया जा रहा है कि हमलावरों ने पेट्रोल बम और ईंट-पत्थर फेंके। 5 बड़ी बातेंः- बांग्लादेश लौटने पर वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी बांग्लादेश वापस जाउंगी। 2-बांग्लादेश छोड़ने पर अपनी इच्छा से देश नहीं छोड़ा था, हालात ऐसे बने कि छोड़ना पड़ा। 2024 के छात्र आंदोलन पर छात्र आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं था। इसके जरिए हिंसा फैलाई गई और छात्रों को हथियार बनाया गया। बांग्लादेश में हो रही हिंसा पर पिछले 2 सालों से बांग्लादेश तकलीफ में है। चारों तरफ डर फैला है। लोगों को जेल में डाला जा रहा है, मारा जा रहा है। भारत की मदद करने पर भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है और मुझे पता है कि वह आगे भी बांग्लादेश के साथ खड़ा रहेगा। 2 साल पहले भारत आई थीं शेख हसीना- शेख हसीना अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार गिर गई थी और उन्हें ढाका छोड़ना पड़ा था। पिछले साल नवंबर में ढाका के एक विशेष ट्रिब्यूनल ने 2024 के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में उन्हें गैरहाजिरी में मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद से बांग्लादेश सरकार लगातार भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है।

बांग्लादेश में क्रिकेटर शाकिब अल-हसन के घर पर हमला

पत्थर-पेट्रोल बम फेंके; शेख हसीना के इवेंट में शामिल होने से कट्टरपंथी नाराज थे

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व क्रिकेटर और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। हसीना की वर्चुअल मीटिंग में शामिल हुए थे शाकिब-बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार शाम करीब 6.45 बजे को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलते रहे शाकिब-शाकिब ने सांसद बनने के बाद भी क्रिकेट खेलना नहीं छोड़ा है। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई थी। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी। हसीना सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश में अवामी लीग नेताओं और सांसदों के घरों पर कई जगह हमले हुए। इनमें शाकिब का मगुरा वाला घर भी शामिल था। तब भी वे घर पर मौजूद नहीं थे। शेख हसीना की तरह ही शाकिब पर हत्या का केस दर्ज- अगस्त 2024 में हुए तख्ता पलट के दौरान शाकिब अल हसन बांग्लादेश छोड़कर चले गए थे। उनकी गिरफ्तारी नहीं हुई। बाद में उनके खिलाफ छात्र आंदोलन के दौरान एक व्यक्ति की मौत से जुड़े हत्या के मामले समेत कुछ आपराधिक मामले दर्ज हुए। उस समय वे विदेश में थे और बांग्लादेश पुलिस उन्हें गिरफ्तार नहीं कर सकी।

जालंधर के युवक ने बताई रूस की डेंजर जर्नी,फल तोड़ने की नौकरी बता एजेंट ने भेजा, अब जंगल में फंसा, गंदा कमरा, टूटे बैड

जालंधर। जालंधर से रूस गए एक युवक ने ट्रैवल एजेंट की ठगी का पर्दाफाश कर आपबीती सुनाई है। युवक ने दिल्ली एयरपोर्ट से मॉस्को पहुंचने तक के 5 वीडियो में बातों में आकर उसने रूस का वीजा लगवा लिया। इसके बाद 15 जून को दिल्ली से मॉस्को की फ्लाइट पकड़ी और रूस पहुंच गया। वहां पहुंचकर पता चला कि जो एजेंट ने बताया था, वह सबकुछ झूठ था। मॉस्को से एजेंट का बंदा ले गया, जंगल में छोड़ाः आकाशदीप ने बताया कि उसे मॉस्को एयरपोर्ट से एजेंट का बंदा लेकर गया। इसके बाद उसे और उसके साथ 10 के करीब लड़कों को जंगल में छोड़ दिया। इन लड़कों में वह अकेला ही पंजाबी है। उसके साथ बाकी लड़के राजस्थान और हरियाणा के रहने वाले हैं। वे रातों को जंगल में भटकते रहे और किसी तरह जंगल के बीच बने एजेंट के ठिकाने पर पहुंचे। एक छोटे से टूटे रूम में सबको ठहरा दियाः युवक ने वीडियो में बताया- हमें बीच रास्ते में किसी कबाड़ वाली जगह टूटे से छोटे से कमरे में ठहरा दिया गया है। आगे क्या होगा और कहां लेकर जाएंगे, इसके बारे में जानकारी नहीं दी जा रही है। यहां 10 लड़के ऊपर-नीचे लगे बिस्तरों पर सोकर रातें काटने को मजबूर हैं। ऐसे हालात पर यहां रोना आ रहा है। मैं ये वीडियो इसलिए शेयर कर रहा हूं, ताकि परिवारवालों को पता चल सके कि मैं पहुंच गया हूं। छोटा सा टूटा टायलेट, जगंल में कहां जाएंः आकाशदीप ने बताया- मैं आपको अपने रहने की जगह और टॉयलेट भी दिखा देता हूं, ताकि पंजाब में रहने वाले दूसरे युवकों भी पता चल सके कि रूस की जिंदगी कैसी है। जिस किसी ने भी यहां आने का इरादा बनाया हो वे एजेंट के जरिए तो कभी न आएं। ये देखिए मेरा रूम। इसमें गंदे बिस्तर लगे हैं। टॉयलेट का हाल ऐसा है कि दरवाजा टूटा है और इसे खोलकर तो बिल्कुल भी दिखा नहीं सकता। एजेंट ने पैसा नहीं दिया, जंगल में फंसकर रह गएः आकाशदीप ने कहा कि जंगल से बाहर कैसे निकलें, कुछ भी समझ नहीं आ रहा है।

अपना एक्सपीरियंस शेयर करते हुए कहा- कोई भी एजेंट के चक्कर में फंसकर रूस मत आना। हमें यहां जंगल में छोड़ दिया है। अब समझ नहीं आ रहा है कि कहां जाएं? एजेंट ने जो वादे किए, वे हकीकत में बहुत बुरे निकले। युवक ने वीडियो में बताया कि उसका नाम आकाशदीप है। वह जालंधर के रामनगर का रहने वाला है। 15 जून 2026 को वह दिल्ली से फ्लाइट पकड़कर मॉस्को पहुंचा था। उसे जालंधर के ही एजेंट पवन कुमार ने यहां भेजा। उसने कहा था कि मॉस्को में फल तोड़ने का काम है। इसके मोटे पैसे मिलेंगे। रहने को एसी कमरे और बढ़िया खाना मिलेगा। युवक का आरोप है कि एजेंट का आदमी उसे जंगल के बीच बने कबाड़खाने जैसे घर में छोड़ गया है। उसके साथ हरियाणा और राजस्थान के भी युवक हैं। बाथरूम जैसे एक कमरे में 10 लोग सो रहे हैं। उसने कहा कि किसी एजेंट पर भरोसा मत करो। ये युवकों को झांसा देकर रूसी सेना में भर्ती करवा रहे हैं। जानिए, युवक ने वीडियोज में अपना क्या एक्सपीरिएंस बताया-एजेंट ने सुविधाओं का लालच देकर फंसायाः युवक आकाशदीप ने बताया कि जालंधर के ही रहने वाले एजेंट पवन कुमार के जरिए उसने रूस का वीजा लगवाया था। वीजा लगाने के वक्त एजेंट ने बताया था कि रूस में फ्रूट तोड़ने का काम मिलेगा। इस काम में रूस में मोटा पैसा है।15 जून को दिल्ली से मॉस्को की फ्लाइट लीः युवक ने बताया कि एजेंट की

साउथ कोरिया में इस हफ़्ते सबसे ज्यादा गर्मी का रिकॉर्ड 3 बार टूटा; अब तक 16 लोगों की मौत

सियोल। साउथ कोरिया में भीषण गर्मी से अब तक 16 लोगों

की मौत हो चुकी है। देश के गृह मंत्रालय ने बताया कि 15 मई से 2 अगस्त के बीच 2,025 लोग गर्मी से जुड़ी बीमारियों का शिकार हुए, जिनमें 16 लोगों की जान गई। रविवार को यांगसान शहर में 42.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जो देश का अब तक का सबसे अधिक तापमान है।

साउथ कोरिया में सबसे ज्यादा तापमान 1 अगस्त 2018 को 40.7डिग्री सेल्सियस को दर्ज किया गया था। इस साल यह रिकॉर्ड 3 बार टूटा है। 31 जुलाई को 41.4डिग्री सेल्सियस, 2 अगस्त को 41.6डिग्री सेल्सियस और 3 अगस्त को 42.5डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

प्रदीप रावत का अंतिम संस्कार,गजनी में विलेन के रूप में थे- कल कैंसर से निधन हुआ था

मुंबई। एक्टर प्रदीप रावत के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए मुंबई में परिवार के लोगों के अलावा रजा मुराद जैसे सेलेब्स भी पहुंचे। लगान और गजनी समेत कई फिल्मों में नजर आने वाले प्रदीप रावत का 74 साल की उम्र में मंगलवार शाम को निधन हो गया। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रदीप रावत के मैनेजर सिद्धार्थ तिवारी ने बताया था कि एक्टर कैंसर से पीड़ित थे। उन्हें यह बीमारी दोबारा लौट आई थी। पिछले एक महीने से उनका अस्पताल में इलाज चल रहा था। प्रदीप रावत ने एक्टिंग करियर की शुरुआत बीआर. चोपड़ा के टीवी शो महाभारत से की थी। वे अश्वत्थामा के रोल में नजर आए थे। प्रदीप ने इसके बाद हिंदी, तमिल, कन्नड़, मलयालम, बंगाली

और भोजपुरी फिल्मों में काम किया। हिंदी सिनेमा में वे लगान, सरफरोश, गजनी और ग्रैंड मस्ती जैसी फिल्मों में दिखाई दिए। तेलुगु फिल्म सई से उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखा और कई यादगार विलेन के किरदार निभाए। तमिल फिल्म गजनी (2005) में उनके डबल रोल को काफी पसंद किया गया। बाद में उन्होंने इसी भूमिका को हिंदी रीमेक गजनी में भी निभाया। इसके अलावा उन्होंने कन्नड़ फिल्म पैरोडी, मलयालम फिल्म चाइना टाउन, बंगाली फिल्म हीरो 420 और भोजपुरी फिल्म फ्रैंक फाइटर में भी एक्टिंग की थी। फिल्म लगान में देवा का किरदार पहले एक्टर मुकेश ऋषि को ऑफर हुआ था, लेकिन साउथ की कई फिल्मों में व्यस्त होने के कारण उन्होंने यह फिल्म नहीं की। इसके बाद यह रोल प्रदीप रावत को मिला था। दरअसल, फिल्म सरफरोश में प्रदीप रावत का काम देखकर आमिर खान काफी प्रभावित हुए थे।

पति को मेरा दोस्तों से मिलना पसंद नहीं,कहते हैं, पति-पत्नी के दोस्त, शौक सब एक होने चाहिए, उन्हें कैसे समझाऊं

नोएडा। वैवाहिक जीवन में इस तरह चुनौतियां आना कोई बड़ी चीज़ नहीं महत्वपूर्ण यह हैं की हम उसे हैंडल कैसे करतें हैं ? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 34 साल की वर्किंग वुमन हूं। मेरी शादी को छह साल हो चुके हैं। हमारे बीच वैसे तो कोई

बड़ा झगड़ा नहीं होता, लेकिन एक बात को लेकर अक्सर तनाव रहता है। पति चाहते हैं कि हम अपना सारा खाली समय साथ बिताएं। उनका मानना है कि शादी के बाद पति-पत्नी के दोस्त, शौक और सोशल लाइफ भी एक जैसी होनी चाहिए। मुझे ये बात समझ नहीं आती कि दोनों के शौक और सोशल लाइफ एक जैसी होना क्यों जरूरी है। उनके अलावा भी मेरी सोशल लाइफ क्यों नहीं हो सकती? मैं अकेले अपने स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के साथ वक्त क्यों नहीं बिता सकती? उन्हें कैसे समझाऊं, क्या करूं? जवाब- सबसे पहले यह समझिए कि आपकी इच्छा गलत नहीं है। शादी का मतलब यह नहीं कि आपकी अपनी पहचान, दोस्तियां और पसंद-नापसंद खत्म हो जाएं। जिस तरह आपके पति आपके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, उसी तरह आपकी अपनी दुनिया भी आपकी मानसिक सेहत और व्यक्तित्व का जरूरी हिस्सा है। इसलिए यह सवाल कि 'क्या शादी के बाद पति-पत्नी की सोशल लाइफ एक ही होनी चाहिए?'– इसका जवाब है, 'नहीं।' हालांकि, यह भी संभव है कि आपके पति आपको कंट्रोल न करना चाहते हों। कई बार ऐसी सोच कुछ अन्य कारणों से भी आती है, जैसेकि- बहुत ज्यादा प्यार असुरक्षा की भावना अकेले पड़ जाने का डर शादी को लेकर बनी पारंपरिक धारणाएं इसलिए इस मुद्दे को 'कौन सही, कौन गलत' की लड़ाई बनाने की बजाय इस नजरिए से देखना बेहतर और ज्यादा मददगार होगा कि 'हम दोनों की जरूरतें क्या हैं।' शादी में साथ जरूरी हर समय साथ रहना नहीं। किसी भी स्वस्थ रिश्ते में दो चीजें साथ-साथ चलती हैं- निकटता और स्वतंत्रता। स्वतंत्रता का मतलब है- पर्सनल स्पेस। अगर रिश्ते में सिर्फ निकटता हो और पर्सनल स्पेस न हो तो व्यक्ति घुटन महसूस करने लगता है। वहीं अगर सिर्फ पर्सनल स्पेस हो और जुड़ाव-निकटता न हो तो दूरियां बढ़ने लगती हैं। एक हेल्दी मैरिज में इन दोनों के बीच एक संतुलन होता है। मनोविज्ञान में इसे 'डिफरेंशिएशन ऑफ सेल्फ' कहा जाता है। इसका मतलब है कि दो लोग भावनात्मक रूप से जुड़े रहने के साथ अपनी अलग पहचान भी बनाए रखें। हेल्दी मैरिज की पहचान-क्वालिटी टाइम-साथ समय बिताना। भरोसा-एक-दूसरे पर पूरा विश्वास। पर्सनल स्पेस-अपने दोस्त, अपने शौक। खुला संवाद-अपनी बात खुलकर कहना। बराबरी-साझे फैसले, साझी जिम्मेदारियां। सम्मान-इंडीविजुअल पहचान की रिस्पेक्ट। पार्टनर ऐसा क्यों चाहता है? हर व्यवहार के पीछे कोई-न-कोई भावनात्मक जरूरत होती है। इसलिए पहले खुद से ये सवाल पूछिए कि आपके पति ऐसा क्यों चाहते हैं। क्या उन्हें अकेलापन महसूस होता है? क्या उन्हें डर है कि दोस्त आप दोनों के बीच दूरी बढ़ा देंगे? क्या उनके परिवार में औरतें बहुत पारंपरिक भूमिका में थीं, जिनकी कोई पर्सनल लाइफ नहीं थी? क्या वे यह मानते हैं कि अलग सोशल लाइफ का मतलब रिश्ते में कमी है? अगर हमें किसी भी चीज का ठीक-ठीक कारण समझ में आ जाए तो बातचीत करना और उस समस्या का हल निकालना आसान हो जाता है। सीबीटी का एबीसी मॉडल-कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (सीबीटी) का एक आसान टूल है- एबीसी मॉडल। इस मॉडल को ऐसे समझिए-1- Activating Event (घटना) आप दोस्तों से मिलने की बात करती हैं। B- Belief (विश्वास) पति सोचते हैं- 'अगर पत्नी अकेले दोस्तों के साथ जा रही है तो शायद उसे मेरे साथ रहना पसंद नहीं है।' C- Consequence (परिणाम) वे नाराज हो जाते हैं या आप दोनों के बीच बहस शुरू हो जाती है। अब इस मॉडल के मुताबिक आपको अपने पति के Belief यानी उनके यकीन को चुनौती देनी है। आपको उन्हें यह समझाना है कि-'दोस्तों के साथ समय बिताना, पति से दूर होना नहीं है।' पार्टनर ये बात कैसे करें? अब सवाल ये है कि उनके मन में बैठे विचारों या उनके यकीन को बदलने के लिए बातचीत कैसे करें। बात करते हुए आपको 'मैं' वाले वाक्यों का इस्तेमाल करना है। बहुत से कपल बातचीत की शुरुआत आरोप से करते हैं, जैसेकि-'तुम मुझे कभी आजादी नहीं देते।' ऐसी बात सामने वाले को डिफेंसिव बना देती है। इसके बजाय 'मैं' वाले वाक्यों का इस्तेमाल करें, जैसेकि-'मुझे अपने पुराने दोस्तों से मिलकर अच्छा लगता है। इससे मैं भावनात्मक रूप से बेहतर महसूस करती हूं। इसका मतलब यह नहीं कि मैं तुम्हारे साथ समय नहीं बिताना चाहती।' इस तरह सामने वाला आपकी भावनाओं को सुनता है, आरोप को नहीं। तुम हमेशा रोकते हो-मुझे दोस्तों से मिलना 'अच्छा लगता है। तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं-मैं चाहती हूं, तुम मुझे 'समझो। तुम गलत हो-क्या बीच का रास्ता निकाल सकते हैं? रिश्ते में बनाएं 'स्पेस एग्रीमेंट'- कई कपल बिना बात किए उम्मीदें बना लेते हैं। बाद में वही उम्मीदें विवाद बन जाती हैं। इसलिए अपने मन से कुछ भी तय करने की बजाय मिल-बैठकर कुछ बातें तय करें– सप्ताह में कितना समय सिर्फ आप दोनों साथ बिताएंगे। महीने में कितनी बार दोनों अपने-अपने दोस्तों से मिलेंगे। आप दोनों कब और कहां साथ जाएंगे और कब अलग-अलग जाएंगे। पहले से इसकी जानकारी देने का तरीका क्या होगा। इस तरह के नियम दोनों के लिए समान होंगे। ACT (एक्सेप्टेंस एंड कमिटमेंट) थेरेपी टूल ACT (एक्सेप्टेंस एंड कमिटमेंट) थेरेपी कहती है कि किसी भी रिश्ते का फैसला डर से नहीं, बल्कि अपने मूल्यों के आधार पर होना चाहिए। इसलिए खुद से ये सवाल पूछिए– मैं कैसी पत्नी बनना चाहती हूं? मैं कैसी इंसान बने रहना चाहती हूं? क्या दोनों बातें एक साथ संभव हैं? इस सवाल का जवाब अक्सर 'हां' होता है। आप एक अच्छी, कमिटेड पत्नी भी हो सकती हैं और अपने दोस्तों से जुड़ी हुई अच्छी दोस्त भी, अच्छी इंसान भी। इन बातों में कोई अंतर्विरोध नहीं है। सीमाएं तय करने से कमजोर नहीं होते रिश्ते-मनोविज्ञान में हेल्दी बाउंड्रीज बहुत महत्वपूर्ण हैं। बाउंड्रीज यानी सीमा का मतलब दीवार खड़ी करना नहीं है। इसका मतलब है–'यह मेरी व्यक्तिगत जरूरत है और मैं चाहता/चाहती हूं कि आप इसका सम्मान करें।' एक उदाहरण:-'महीने में एक बार मैं अपने कॉलेज फ्रेंड्स से अकेले मिलना चाहती हूं। उसी तरह अगर आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताना चाहें तो मुझे भी खुशी होगी।' हेल्दी बाउंड्रीः-अपनी जरूरत साफ बताना। सामने वाले की जरूरत सुनना। स्पेस को सम्मान देना। न कंट्रोल करना, न छिपाना। दोनों के लिए बराबर नियम। इमोशनल बैंक अकाउंट भरते रहिए-रिश्तों के विशेषज्ञ अक्सर इमोशनल बैंक अकाउंट की बात करते हैं। अगर रिश्ते में प्यार, सम्मान, समय और भरोसा लगातार जमा होता रहे तो छोटी-छोटी असहमतियों से रिश्ता टूटता नहीं है। इसलिए जब आप दोस्तों से मिलें, उससे पहले और बाद में पति के साथ भी अच्छा समय बिताइए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि वे आपकी प्राथमिकता हैं। हेल्दी मैरिज में दो लोगों की पहचान एक नहीं होती। वो दो अलग इंसान हैं, दोनों की अलग पहचान है और न पहचानों का पूरा सम्मान है। जो रिश्ता पर्सनल स्पेस और इमोशनल कनेक्शन के बीच संतुलन बना लेता है, वही लंबा और खुशहाल होता है। अगर पति से प्यार और शांति से बातचीत की हर कोशिश नाकाम हो रही है, बार-बार शांत बातचीत के बाद भी वे–दोस्तों से मिलने पर रोक लगाते हैं। हर बार अपराधबोध महसूस कराते हैं। आपकी हर गतिविधि पर नजर रखना चाहते हैं। आपकी सोशल लाइफ धीरे-धीरे खत्म करवाने की कोशिश करते हैं। तो यह सिर्फ दो व्यक्तियों की अलग-अलग पसंद का मामला नहीं है। यह कंट्रोलिंग व्यवहार की दिशा में जा सकता है। ऐसी स्थिति में कपल काउंसलिंग मददगार हो सकती है। किसी निष्पक्ष विशेषज्ञ के सामने बातचीत करने से दोनों अपनी भावनाएं बेहतर तरीके से समझ और समझा पाते हैं।आखिर में एक बात और।

किसी भी रिश्ते का लक्ष्य दो लोगों को एक जैसा बनाना नहीं होता। लक्ष्य यह होता है कि दो अलग-अलग लोग अपनी-अपनी पहचान बचाए रखते हुए एक-दूसरे के जीवन को बेहतर बनाएं। अगर आप सम्मान के साथ अपनी जरूरत रखें और उतने ही सम्मान से उनके डर और भावनाओं को सुनें, तो इस मुद्दे का समाधान टकराव से नहीं, बातचीत से निकल सकता है।

काजोल हो गई 52 की, पिता चाहते थे नाम हो मर्सिडीज,हीरोइन बनने से पहले अक्षय पर था क्रश, पहली मुलाकात में शाहरुख ने की बेइज्जती, गिरने से याददाश्त गई

मुंबई। एक लड़की, जिनकी शरारतों से मां इतनी परेशान थीं कि गुस्से में कह देती थीं, 'हाय... काश, तुझे भी एक बेटी हो, बिल्कुल

तेरे जैसी।' पिता उनका ऑफिशियल नाम 'मर्सिडीज' रखना चाहते थे, लेकिन मां ने साफ मना कर दिया। इनकी दोस्ती की भी मिसाल दी जाती है। 15 साल की उम्र में उसने करण जौहर का ऐसा मजाक उड़ाया कि वो पार्टी छोड़कर ही निकल गए। वहीं उन्हें पहली फिल्म भी एक सहेली की मदद से ही मिली। लेकिन शूटिंग के पहले ही दिन सेट पर गिर पड़ीं। ये गिरने-पड़ने में भी पीछे नहीं थीं। जिस फिल्म का हिस्सा बनतीं, वहां गिरना तय था। बेस्ट फ्रेंड शाहरुख और करण का मानना था कि ये जिस भी फिल्म के सेट पर गिरती हैं, वो हिट हो जाती हैं। ऐसे ही एक बार कुछ कुछ होता है की शूटिंग में ये साइकिल से ऐसी गिरीं कि याददाश्त ही चली गई। दोस्तों ने पुरानी शरारत का बदला लिया और ये साबित कर दिया कि वो फिल्म की हीरोइन नहीं बल्कि बैकग्राउंड डांसर थीं। शरारत, बेबाकी, हाजिरजवाबी और दमदार एक्टिंग, इन चार शब्दों में अगर किसी एक एक्ट्रेस को बयां किया जा सकता है, तो वो हैं काजोल। बॉलीवुड की इस चुलबुली सुपरस्टार ने अपनी हंसी, अपने अंदाज और अपनी फिल्मों से तीन दशकों से दर्शकों का दिल जीता है। किस्सा-1-पिता चाहते थे नाम हो मर्सिडीज, 11 की उम्र में बोर्डिंग स्कूल से भागीं, रास्ते में पकड़ी गईं-5 अगस्त 1974 में काजोल का जन्म मुंबई के समृद्ध बंगाली परिवार में हुआ। मां तनुजा, जानी-मानी एक्ट्रेस थीं और पिता शोमू मुखर्जी फिल्ममेकर। उनके पिता मर्सिडीज कार के शौकीन थे। उन्हें पता चला कि ये कार बनाने वाले शख्स की बेटी का असल नाम मर्सिडीज था। बात में उसने बेटी के नाम पर मर्सिडीज कार बनाई। शोमू चाहते थे कि उनकी बेटी का नाम भी मर्सिडीज हो। वो अड़ गए, लेकिन तनुजा ने साफ कहा- मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। उन्होंने बेटी का नाम काजल रखा, लेकिन बंगाली परिवार में इसे ही धीरे-धीरे काजोल कर दिया गया। काजोल बचपन में इतनी शरारती थीं कि मां उनकी अक्सर पिटाई करती थीं। कभी बैडमिंटन रैकेट से मारतीं तो कभी जो हाथ आया उससे। काजोल कम उम्र की थीं, जब पेरेंट्स का तलाक हो गया। मां तनुजा फिल्मों में व्यस्त रहती थीं, तो काजोल कई सालों तक नानी शोभना समर्थ के साथ रहीं। शोभना भी अपने दौर की मशहूर एक्ट्रेस थीं। कुछ समय बाद इंतजार कर रही थीं कि तभी स्कूल की नन ने उन्हें पकड़ लिया। काजोल को डांट के बाद दोबारा बोर्डिंग स्कूल भेज दिया गया। किस्सा-2-15 की उम्र में करण जौहर को देखकर उड़ाया मजाक, पार्टी छोड़कर निकले-काजोल महज 15 साल की थीं, जब वो मां एक्ट्रेस तनुजा के साथ एक फिल्मी पार्टी में गईं। डिस्को थीम वाली पार्टी में फिल्म इंडस्ट्री के कई और सेलेब्स भी आए थे। काजोल मस्ती कर रही थीं कि तभी पार्टी में फिल्ममेकर यश जौहर अपने 17 साल के बेटे करण जौहर के साथ आए। ये करण और काजोल की पहली मुलाकात थी। जैसे ही पेरेंट्स ने दोनों का परिचय करवाया, थ्री-पीस सूट, टाई लगाए हुए टीनएज करण को ऊपर से नीचे देखकर काजोल जोर-जोर से हंस पड़ीं। करण मजाक उड़ता देख उदास हो गए, तभी काजोल की मां ने फिर कहा- तुम दोनों बच्चे जाकर साथ डांस क्यों नहीं करते। दोनों डांस फ्लोर पर गए तो करण हिचकते हुए डांस करने लगे, लेकिन काजोल हंसी नहीं रोक पाईं और करीब आधे घंटे तक हंसती रहीं। करण का दिल टूट गया और वो पार्टी छोड़कर चले गए। लेकिन समय के साथ दोनों की दोस्ती ऐसी होती गई कि जब करण ने 21 की उम्र में कुछ कुछ होता है बनाईं तो काजोल को ही कास्ट किया। आगे वो करण के साथ कभी खुशी कभी गम, कल हो न हो (कैमियो), माय नेम इज खान जैसी फिल्मों में नजर आईं। किस्सा- 3-अक्षय कुमार पर था क्रश, देखने के लिए दोस्त करण को किया परेशान-काजोल को फिल्मों में आने से पहले अक्षय कुमार पर क्रश था। अक्षय कुमार 1987 में फिल्मों में आए थे और कई हिट फिल्में दे रहे थे। तब काजोल महज 16-17 साल की थीं। एक बार काजोल मां के साथ फिल्म हिना के प्रीमियर में पहुंचीं। तब तक उनकी करण जौहर से दोस्ती हो चुकी थी। प्रीमियर में जैसे ही काजोल को पता चला कि अक्षय कुमार भी आए हैं, तो वो करण का हाथ पकड़कर पूरे प्रीमियर में अक्षय को ढूंढती रहीं। ये किस्सा करण जौहर ने कपिल शर्मा के शो में सुनाया था। किस्सा- 4-दोस्त का फोटोशूट करवाने पहुंचीं, मिल गई पहली फिल्म, छुट्टियों के टाइमपास के लिए हामी भरी-काजोल की तीन पीढ़ियां फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ऐसे में तनुजा चाहती थीं कि वह भी

उनका दाखिला पंचगनी के सेंट जोसेफ बोर्डिंग स्कूल में करवा दिया गया। एक दिन बोर्डिंग स्कूल में उन्हें पता चला कि उनकी नानी की मां काफी बीमार हैं। काजोल ने जिद पकड़ ली कि वो उनसे मिलने जाएंगी। मां ने इनकार कर दिया कि सीधे क्रिसमस की छुट्टियों में ही आना। काजोल ने अपनी एक दोस्त के साथ बोर्डिंग स्कूल से भागने का प्लान बनाया। वो लोगों की नजरों से बचते हुए गेट से बाहर निकलीं और अपने लोकल गार्डियन के घर पहुंच गईं। उन्होंने कहा- मामा जी, मां ने मुझे घर बुलाया है, आप मुझे बस में बैठा दीजिए। मामा कुछ समझ नहीं सके और बस में बैठा दिया। काजोल बस चलने का भी वहां पहुंच गईं। तनुजा के कहने पर मेकअप आर्टिस्ट ने काजोल का भी मेकअप कर दिया और उनकी भी तस्वीरें क्लिक की गईं।

उनका फोटोशूट गौतम राजाध्यक्ष ने किया था, जो उस समय फिल्म बेखुदी के स्क्रीनप्ले पर काम कर रहे थे। उन्हें काजोल का चेहरा इतना पसंद आया कि वो उनकी तस्वीरें लेकर फिल्म बेखुदी के डायरेक्टर राहुल रवैल के पास गए। उन्हें भी काजोल पसंद आ गईं और वो सीधे उनके लिए तनुजा के घर पहुंच गए।जैसे ही काजोल को फिल्म के ऑफर के बारे में पता चला, वो नाराज हो गईं और मना कर दिया, लेकिन स्कूल की छुट्टियों की बोरियत दूर करने के लिए बाद में मान गईं। उन्होंने सैफ अली खान के घर में स्क्रीनटेस्ट दिया। पहले सैफ फिल्म के हीरो थे, हालांकि बाद में उन्हें निकालकर कमल सदाना को कास्ट कर लिया गया। काजोल ने द अनुपम खेर शो में बताया था कि फिल्म के सेट पर उनका पहला दिन आसान नहीं था। उस दिन मुहूर्त शॉट होना था, जिसमें 90 के दशक की कई बड़ी फिल्मी हस्तियां मौजूद थीं। जैसे ही काजोल स्टेज पर चढ़ीं, उनके पेट में अजीब सा महसूस होने लगा। मुहूर्त शॉट के दौरान वो पहले ही टेक में गिर गईं। उन्हें शर्मिंदगी महसूस हुई, लेकिन डायरेक्टर ने हंसते हुए कहा पहले दिन गिरना शुभ होता है। किस्सा- 5-शाहरुख ने पहली मुलाकात में कहा- तुम कभी चुप नहीं होतीं-काजोल ने फिल्म बेखुदी से करियर की शुरुआत की और आगे उन्हें फिल्म बाजीगर में न्यूकमर शाहरुख के साथ काम करने का मौका मिला। फिल्म की शूटिंग नए साल में 1 जनवरी को हुई। एक दिन पहले सभी ने नए साल का जश्न मनाया था और सभी थके हुए थे। काजोल ने पहली बार शाहरुख को देखा,

तो वो बड़ा सा काला चश्मा लगाए एक किनारे बैठे हुए थे और किसी से बात नहीं कर रहे थे। तभी काजोल ने मराठी में शाहरुख के मेकअप आर्टिस्ट से कहा- ये कैसा हीरो है, खड़ूस लग रहाहै। बात नहीं करता है, कहां से लेकर आए हो इसे, कितना अजीब है। दूसरी तरफ पार्टी के अगले दिन थके हुए शाहरुख, कान में हाथ रखकर काजोल की आवाज रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पास खड़े लड़के से कहा, ये हीरोइन कितना बोलती हैं, कोई इसे चुप करवाओ। काजोल काफी देर तक शाहरुख की बुराई करती रहीं और फिर थोड़ी देर बाद उनके पास जाकर कहा- हाय, मेरा नाम काजोल है।शाहरुख ने सबसे पहला शब्द कहा- क्या तुम कभी चुप नहीं रहतीं। काजोल ने फिर कहा- नहीं, मैं चुप नहीं रह सकती, ये कभी नहीं होगा। एक तल्खी से शुरू हुई ये दोस्ती चल निकली और आज दोनों की दोस्ती एक मिसाल है। दोनों ने बाजीगर के अलावा दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कभी खुशी कभी गम, माय नेम इज खान जैसी कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दीं। किस्सा-6-बाजीगर में शिल्पा की मौत के सीन में हंसती रहीं, डायरेक्टर ने लगाई फटकार-बाजीगर के सेट पर एक दिन शिल्पा शेट्टी का डेथ सीन फिल्माया जाना था। सीन के अनुसार, काजोल को बहन शिल्पा की मौत के बाद खूब रोना था। लेकिन जैसे ही सीन की तैयारी हुई, काजोल, शिल्पा के पैरों पर लगी नेल पॉलिश देखकर जोर-जोर से हंसने लगीं। वो बार-बार कह रही थीं कि मरते हुए इतनी नेल पॉलिश कौन लगाता है। काजोल के लगातार हंसने से शूटिंग पर असर पड़ने लगा। डायरेक्टर अब्बास मस्तान उनके पास आए और कहा ये बेहद संजीदा शॉट है, तुम ऐसे हंसोगी तो कैरेक्टर में नहीं रह पाओगी। लेकिन काजोल थीं कि चुप होने का नाम ही नहीं ले रही थीं। उनकी हंसी से डायरेक्टर झुंझला गए और चिल्लाकर कहा- अगर तुम्हारी असली बहन की मौत हो जाती, तब भी क्या तुम ऐसे ही हंसतीं। ये सुनकर काजोल एक दम शांत हो गईं। कुछ ही देर बाद काजोल को बारिश में भागना था, लेकिन भागते हुए वो जोर से गिरीं। क्रू मेंबर्स ने उन्हें तुरंत कंबल में लपेट दिया, क्योंकि ठंड काफी ज्यादा थी। टीम ने देखा की कंबल के अंदर काजोल सिसक रही हैं। सब फुसफुसा रहे थे कि काजोल बहुत तेज गिरी हैं, अब शूटिंग कैसे होगी। हालांकि काजोल ने कंबल के अंदर अपने गिरने पर हंस रही थीं। कभी खुशी कभी गम शूट करते हुए गिरीं- फिल्म कभी खुशी कभी गम के गाने सूरज हुआ मद्धम की शूटिंग के समय भी काजोल सेट पर गिर गई थीं। इस गाने की शूटिंग इजिप्ट में हुई। काजोल को बड़ी चट्टानों पर साड़ी लहराते हुए डांस करना था, लेकिन एक शॉट में बैलेंस बिगड़ने से वो गिर पड़ीं। फिल्म की शूटिंग के दौरान काजोल प्रेग्नेंट थीं, हालांकि रिलीज के बाद उनका मिसकैरेज हो गया था। वो कई दिन अस्पताल में रहीं और ट्रॉमा में काम से ब्रेक ले लिया। किस्सा-8-माय नेम इज खान के सेट पर नहीं गिरीं, तो चिंता में पड़ गए शाहरुख-करण-काजोल, करण जौहर और शाहरुख की जिस भी फिल्म में गिरीं, वो हिट हो गई। जब वो माय नेम इज खान की शूटिंग कर रही थीं तो कई दिनों तक नहीं गिरीं। देखकर शाहरुख और करण चिंतित हो गए। वो हर रोज काजोल के गिरने का इंतजार करते। हालांकि शूटिंग पूरी होते-होते काजोल गिर पड़ीं और नतीजतन फिल्म भी हिट ही रही। अजय देवगन के कॉल को समझ लिया प्रैंक, हड़का कर काटा फोन-काजोल ने करियर की शुरुआत में अजय देवगन के साथ 1995 में पहली फिल्म हलचल की। अजय देवगन को पहली बार देखकर काजोल ने उन्हें बेहद एरोगेंट समझा। दरअसल, पहले दिन अजय सेट में एक किनारे चुपचाप बैठे थे। काजोल ने सेट पर आते ही पूछा कि हीरो कौन है। जवाब मिला- वो जो कौने में बैठा है वही हीरो है। इस पर काजोल ने कहा, कोई और हीरो नहीं मिला क्या। कुछ दिनों तक दोनों ने साथ शूटिंग की लेकिन दोस्ती नहीं हो पाई। एक दिन काजोल के टेलीफोन में कॉल आया। सामने से शख्स ने कहा- हैलो, मैं अजय देवगन बोल रहा हूं। काजोल ने कॉल का रूडली जवाब देते हुए कहा- और मैं श्रीदेवी। शख्स ने फिर कहा- मैं सच में अजय देवगन बोल रहा हूं। काजोल ने फिर कहा- हां तो मैं भी श्रीदेवी हूं। ये कहते ही काजोल ने कॉल कट कर दिया। कुछ देर बाद अजय ने काजोल की मां तनुजा के नंबर पर कॉल किया और कहा- आंटी मैं अजय देवगन बोल रहा हूं। मैंने काजोल को कॉल किया, लेकिन वो मान ही नहीं रही कि मैं अजय हूं। बार-बार फोन रख रही है। मैंने आप सभी को बहन की शादी में इनवाइट करने के लिए कॉल किया था। कुछ दिनों बाद साथ काम करते हुए काजोल और अजय की दोस्ती हो गई। फिल्म हलचल के एक सीन में काजोल को अजय को थप्पड़ मारना था और अजय को उनका हाथ पकड़कर रोकना था। जैसे ही शूटिंग में अजय ने काजोल का हाथ थामा, काजोल को एहसास हो गया कि यही वो शख्स हैं, जिनके साथ उन्हें जिंदगी बितानी है। 1994 में फिल्म गुंडाराज की शूटिंग के समय दोनों नजदीक आए और 3 सालों की डेटिंग के बाद 24 फरवरी 1999 में शादी कर ली। ये शादी अजय देवगन के घर में हुई। दोनों नहीं चाहते थे कि शादी में मीडिया की मौजूदगी रहे, इसलिए दोनों ने शादी की गलत लोकेशन की झूठी जानकारी फैला दी। शादी से पहले काजोल ने शर्त रखी थी कि वो 2 महीने के लिए हनीमून पर जाएंगी और वर्ल्ड टूर करेंगी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया, एलए होते हुए जब वो 40वें दिन ग्रीस पहुंचे, तो अजय की तबीयत इतनी बिगड़ गई कि उन्हें लौटना पड़ा। इस शादी से कपल को दो बच्चे नीसा और युग हैं। मणिरत्नम ने दिल से ऑफर करने के लिए कॉल किया, डांट लगाकर रखा काटा कॉल-काजोल हमेशा से मणिरत्नम के साथ काम करना चाहती थीं। शाहरुख खान अक्सर काजोल के साथ कॉल कर प्रैंक किया करते थे। काजोल फिल्म दुश्मन की शूटिंग कर रही थीं कि तभी एक दिन सेट पर उनके नंबर पर मणिरत्नम का कॉल आया। कॉल में कहा गया- हैलो मैं मणिरत्नम बोल रहा हूं। काजोल को लगा शाहरुख मजे ले रहे हैं। काजोल ने जवाब दिया- और मैं टॉम क्रूज बोल रही हूं। शाहरुख मुझे पता है तुम ही हो, इस बार मैं बेवकूफ नहीं बनूंगी। मणिरत्नम ने फिर कहा- नहीं, मैं मणिरत्नम ही बोल रहा हूं। काजोल ने फिर कहा- नहीं मुझे पता है तुम शाहरुख हो। मैं शूटिंग कर रही हूं, अभी बात नहीं कर सकती बाय। काजोल ने कॉल कट कर दिया। इसके बाद मणिरत्नम ने सीधे शाहरुख को कॉल कर पूरी बात बताई, क्योंकि शाहरुख की दिल से में कास्टिंग हो चुकी थी। शाहरुख ने तुरंत काजोल को कॉल कर डांट लगाई और कहा- बेवकूफ, वो असल में मणिरत्नम थे। बता दें कि बाद में काजोल ने कॉल पर बात कर सफाई दी। उन्हें फिल्म ऑफर हुई थी, लेकिन कुछ कुछ होता है की शूटिंग में व्यस्त होने की वजह से उन्होंने फिल्म ठुकरा दी। वो करण को पहले ही डेट्स दे चुकी थीं। करण जानते थे कि काजोल हमेशा से मणिरत्नम की फिल्म करना चाहती थीं। जब उन्हें ऑफर का पता चला को उन्होंने काजोल से कहा कि अगर वो चाहें तो पहले दिल से कर सकती हैं वो कुछ कुछ होता है कि डेट्स बढ़ा देंगे। लेकिन कमिटमेंट की पक्की काजोल ने फिल्म ठुकरा दी।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।